मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 45 ■ अंक : 275 ■ गुरुवार 29 जनवरी 2026 ■ पृष्ठ 4

3 रुपए

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

अजित पवार का प्लेन क्रैश में निधन

मुफ़्त चाय न देने पर खूनी हमला!

■ कैंप-3 में कन्हैया चाय वाले पर धारदार हथियारों से हमला

■ CCTV में कैद हुआ थ्रिलर!

उल्हासनगर. उल्हासनगर में एक बार फिर एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जिसने कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कैंप-3 में स्टेशन रोड पर खरटमल चौक पर मौजूद 'कन्हैया चाय' की दुकान पर कुछ बदमाशों ने अचानक हमला कर दिया और दुकानदार और कर्मचारियों पर धारदार हथियारों से जानलेवा हमला किया, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। पूरी घटना दुकान के CCTV कैमरे में कैद हो गई और इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेज़ी से वायरल हो रहा है। मिली जानकारी के मुताबिक, कुछ युवक 'कन्हैया चाय' की दुकान पर आए और मुफ़्त चाय मांगने लगे। दुकानदार के मना करने पर आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। बहस बढ़ने पर उन्होंने अचानक दुकानदार और कर्मचारियों पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया। इस हमले में दुकान मालिक करण और कुछ कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें तुरंत इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

इस घटना के बाद इलाके में डर का माहौल फैल गया। मार्केट के व्यापारी अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता जताते हुए सेंट्रल पुलिस स्टेशन पहुंचे। उल्हासनगर के पूर्व BJP अध्यक्ष प्रदीप रामचंदानी और नए चुने गए BJP पार्षद प्रवीण कृष्णानी भी व्यापारियों का साथ देने के लिए सेंट्रल पुलिस स्टेशन में मौजूद थे। उन्होंने मांग की कि पुलिस आरोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करे।

हमलावरों की पहचान कर ली गई है...

इस मामले की जानकारी देते हुए प्रदीप रामचंदानी ने कहा कि पुलिस ने घटना में शामिल तीनों आरोपियों की पहचान कर ली है और उनके खिलाफ केस दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस तेजी से जांच कर रही है और उन्होंने यह भी भरोसा जताया कि आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस बीच, CCTV फुटेज से हमलावरों की पहचान साफ हो रही है और इस तरह की बढ़ती आपराधिक घटनाओं से व्यापारी समुदाय समेत नागरिकों में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है। नागरिकों की पुरजोर मांग है कि पुलिस प्रशासन शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सख्त कदम उठाए।

आज तय होंगे महापौर के दावेदार?

उल्हासनगर को मिलेगा पहला OBC महापौर

क्या उल्हासनगर में चलेगा महायुति का फार्मूला!

■ कल भरे जाएंगे महापौर-उपमहापौर पद के लिए नामांकन पत्र

■ शिवसेना के सभी नगरसेवक शहर से बाहर

उल्हासनगर। 3 फरवरी को होने जा रहे महापौर-उपमहापौर चुनाव हेतु शिवसेना ने बहुमत तो हासिल कर लिया है कि लेकिन भाजपा व शिवसेना द्वारा महायुति की सहमति से महापौर बनेगा इस तरह के बयान दिए जा रहे हैं। हालांकि दोनों के बीच अब तक कोई भी औपचारिक बैठक नहीं हुई है। वहीं शिवसेना के सभी 40 नगरसेवक चुनाव परिणाम के बाद से ही कभी लोनावला, गोवा तो कभी इगतपुरी को अपना आशियाना बना बैठे हैं। सेना नेताओं को डर है कि अगर भाजपा ने तीन नगरसेवकों को फोड़ दिया तो उनकी सत्ता बन जाएगी। इसलिए 12 दिनों से नगरसेवक शहर से बाहर घूम रहे हैं। खबर मिली है कि 30 जनवरी को महापौर-उपमहापौर चुनाव हेतु जो नामांकन पत्र भरने हैं उसके लिए भाजपा-शिवसेना में महायुति के लिए फार्मूला तय होगा और उसके बाद ही दावेदार सामने आ जाएंगे।

शिवसेना व टीओके में से किसका होगा महापौर

यूं तो टीम ओमी कालानी का शिवसेना में विलय हो चुका है और कालानी अपने दम पर फैसला नहीं ले सकते वो अब सांसद श्रीकांत शिंदे के अधीन हो गए हैं। जिस कारण महापौर पर अंतिम फैसला अब केवल शिंदे का ही होगा। शिवसेना के पुराने कार्यकर्ताओं का कहना है कि असली शिवसैनिकों को महापौर पद दिया जाएं जबकि टीओके से जीते शिवसेना नगरसेवकों का कहना है कि उनके दम पर सेना की 36 सीटें आयी है। दोनों में ही महापौर पद को लेकर रस्साकशी चल रही है। सिंधी महापौर की मांग ने भी जोर पकड़ा हुआ है। क्योंकि शिवसेना अगर सिंधी महापौर देती है तो भविष्य में विधानसभा चुनाव में भी सिंधी उम्मीदवार मैदान में उतरेगा। अब देखना है कि टीओके का शिवसेना में विलय करने वाले शिंदे कालानी को महापौर पद देते है या नहीं।

भाजपा की कोशिशें जारी

शहर में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी भाजपा बहुमत और सत्ता से वंचित होते दिख रही है क्योंकि वंचित आघाडी ने ही उनके अरमानों पर पानी फेर दिया है। वंचित आघाडी से चुने गए दो नगरसेवकों ने शिवसेना को समर्थन दे दिया है। जिस कारण भाजपा सत्ता से तो दूर है लेकिन वरिष्ठों के आदेशानुसार महायुति का वर्चस्व मनपा मुख्यालय में हो इसलिए सत्ता का फार्मूला तय किया जाएगा। ऐसा समझा जा रहा है। भाजपा के नगरसेवकों का गट बनाने के बाद राजेश वधरिया को गट नेता बनाया गया है और सत्ता में हिस्सेदारी के लिए शिवसेना कौन-कौन से पद देती है उस पर कल से चर्चा शुरू हो सकती है।

टल सकते हैं महापौर चुनाव?

■ अजीत पवार की मौत पर सरकारी शोक

उल्हासनगर. हाल ही में हुए ठाणे, कल्याण-डोंबिवली, उल्हासनगर म्युनिसिपल चुनावों के बाद अब महापौर पद के चुनावों की घोषणा हो गई है और इसके अनुसार, 30 जनवरी को नॉमिनेशन पेपर फाइल किए जाएंगे और 3 फरवरी को चुनाव होंगे। जब इस चुनाव की तैयारी चल रही थी, तभी बुधवार सुबह एक प्लेन क्रैश में डिप्टी चीफ मिनिस्टर अजित पवार की मौत हो गई। इस वजह से तीन दिन का शोक घोषित किया गया है, जिससे महापौर चुनाव में देरी होने की संभावना है।

ठाणे, कल्याण-डोंबिवली, उल्हासनगर म्युनिसिपल चुनाव, जो पिछले कुछ सालों से टल रहे थे, हाल ही में संपन्न हुए। इस नतीजे के बाद, शिवसेना (शिंदे ग्रुप) और BJP दोनों के मेयर का चुनाव लड़ने की तैयारी चल रही है। मेयर पद के लिए आरक्षण पिछले हफ्ते घोषित किया गया था। ठाणे, कल्याण-डोंबिवली, उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के मेयर चुनाव 3 फरवरी को घोषित किए गए हैं और एप्लीकेशन फाइल करने की डेडलाइन 30 जनवरी है। इन चुनावों की तैयारी चल ही रही थी कि बुधवार सुबह एक प्लेन क्रैश में डिप्टी चीफ मिनिस्टर अजित पवार की मौत हो गई। इस वजह से तीन दिन का शोक घोषित किया गया है, और मेयर चुनाव में देरी होने की संभावना है।

इस बीच, एडमिनिस्ट्रेटिव सूत्रों ने उम्मीद जताई है कि ये चुनाव समय पर होंगे क्योंकि इस बारे में सरकार से कोई निर्देश नहीं मिले हैं। एडमिनिस्ट्रेटिव सूत्रों ने यह भी साफ किया कि अगर सरकार से निर्देश मिलते हैं, तो चुनाव में देरी हो सकती है। उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के मेयर चुनाव की प्रक्रिया 3 फरवरी को पूरी हो जाएगी। राज्य में शोक की स्थिति है। हालांकि, उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के पब्लिक रिलेशन हेड अजय साबले के मुताबिक, इस प्रक्रिया पर कहीं भी असर नहीं पड़ेगा।

एमजेपी पानी विभाग नगरपरिषद के हवाले करे

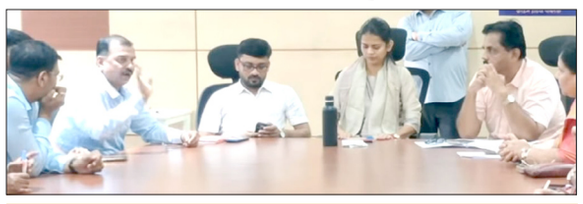

■ एमजेपी सक्षम नहीं - नगराध्यक्षा ने नगरसेवकों, अधिकारियों की बैठक में कहा

■ सभी नगरसेवक अधिकारियों पर भड़के

▶▶उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ में गत कई वर्षों से शहरवासियों को जलापूर्ति की समस्या से जूझना पड़ रहा है. इस गंभीर मुद्दे को लेकर नगराध्यक्षा तेजश्री करंजुले ने नगर परिषद के सभागृह में एक बैठक का आयोजन किया, जिसमें पूर्व और पश्चिम के कई नगरसेवक उपस्थित थे. मजीप्रा जलापूर्ति विभाग के सभी अधिकारी भी उपस्थित थे.

लगभग सभी नगरसेवक जलापूर्ति विभाग के अधिकारियों पर बरस पड़े और उनसे जवाब तलब किया और उनसे ये भी पूछा कि शहर पूर्व में रोजाना पानी मिलता है तो शहर पश्चिम में दो से तीन दिन तक लोगों को असमय पानी मिल रहा है. नगरसेवकों ने अधिकारियों से कहा कि वह शहरवासियों को पानी देने में सक्षम नहीं हैं. इसलिए मजीप्रा पानी विभाग को नपा प्रशासन के हवाले किया जाए. नगराध्यक्षा ने भी अधिकारियों से कहा कि मजीप्रा जलापूर्ति विभाग को नगर परिषद के सुपुर्द किया जाए. प्रशासन एमआईडीसी या एजेंसी के जरिए शहरवासियों को कैसे रोजाना पानी मिलेगा, उसका प्रबंध हम करेंगे. आठ दिन बाद फिर से बैठक लेकर हम ये तय करेंगे.

मजीप्रा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी देशपांडे ने पत्रकारों को बताया कि जिस प्रकार हमको पानी की उपलब्धता है एवं पानी की टंकी है, उसके हिसाब से शहर पश्चिम में एक दिन बाद पानी दिया जा रहा है. उन्होंने कहा कि अंबरनाथ के लिए 258 करोड़ रुपयों की स्कीम एवं बदलापुर के लिए 245 करोड़ रुपयों की स्कीम ढाई वर्ष में पूरी होगी. उसके बाद ही शहरवासियों को रोजाना ढाई घंटे हम पानी दे सकेंगे. बैठक में नगरसेवके प्रदीप पाटिल, अभिजीत करंजुले, पवन वालेकर, उमेश पाटिल, सुजाता भोईर और मुख्य अधिकारी उमाकांत गायकवाड़, मजीप्रा के कई अधिकारी उपस्थित थे.

ई-गवर्नेंस में उल्हासनगर मनपा एक बार फिर बोलबाला

■ राज्य में हासिल किया तीसरा स्थान

उल्हासनगर. राज्य सरकार के 150 दिन के खास एक्शन प्लान में, डिजिटल क्रांति और एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रांसपेरेंसी के दम पर मनपा ने पूरे राज्य में तीसरा स्थान हासिल किया है। इससे पहले, उसने राज्य में पहला स्थान हासिल किया था। सरकार ने राज्य के एडमिनिस्ट्रेटिव काम में तालमेल लाने और नागरिकों को उनके घर बैठे सरकारी सेवाएं देने के लिए यह खास कैंपेन चलाया था।

■ मूल्यांकन का क्राइटेरिया

इसका मूल्यांकन मुख्य रूप से ई-ऑफिस सिस्टम, अच्छी तरह से तैयार वेबसाइट, 'आपले सरकार' पोर्टल पर सेवाएं, व्हाट्सएप चैटबॉट और एडवांस्ड टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल के क्राइटेरिया पर किया गया। यह बाहरी मूल्यांकन क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया ने किया था।

■ ई-ऑफिस सिस्टम को लागू करना

कमिश्नर आव्हाले की काबिल प्लानिंग की वजह से मनपा के कामकाज में बदलाव देखने को मिले। अंदरूनी काम के लिए पेपरलेस ई-ऑफिस सिस्टम लागू किया गया है, और प्रॉपर्टी टैक्स, पानी का बिल और दूसरी नागरिक सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध कराकर डिजिटल सेवाएं दी गई हैं। शिकायतों का समाधान WhatsApp और डैशबोर्ड के ज़रिए किया गया।

उल्हासनगर में ब्याज के पैसे को लेकर मारपीट

■ हिललाइन पुलिस स्टेशन में चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज

उल्हासनगर. एक साल पहले, 50,000 रुपये की रकम पर हर महीने 10 परसेंट ब्याज लेने के बावजूद 2.5 लाख रुपये की मांग करते हुए एक परिवार के साथ मारपीट की गई थी। इस मामले में हिललाइन पुलिस स्टेशन में रमेश आगले, तरुणा पारचे, रागिता खरात और रमेश आगले की पत्नी के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

लता उमाप ने एक साल पहले किसी काम के लिए रमेश अगले से 10 परसेंट ब्याज पर 50,000 रुपये उधार लिए थे। जब वह हर महीने ब्याज दे रहा था. तो उमाप की बहू ने केनरा बैंक का ATM जबरन ले लिए और 26 जनवरी की दोपहर को आगले परिवार ने उससे 50,000 रुपये के बदले 2.5 लाख रुपये मांगे। पैसे न देने पर, आगले ने तरुणा पारचे, रागिता खरात और आगले की पत्नी के साथ मिलकर उमाप परिवार पर हमला किया। इस बारे में उमाप हिललाइन पुलिस स्टेशन पहुंचा और पुलिस को सारी बात बताई। सीनियर पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आगे की जांच चल रही है।

अभी टैक्स भरें और आधी पेनाल्टी बचाएं

■ अंबरनाथ-बदलापुर में बकाया प्रॉपर्टी टैक्स के लिए 'अभय योजना'

अंबरनाथ. अंबरनाथ और कुलगांव बदलापुर नगर परिषद इलाकों में संपत्ति धारकों के लिए अभय योजना लागू की गई है। इसमें अगर मूल रकम एकमुश्त चुकाई जाती है, तो उस बकाया रकम पर लगने वाली पेनाल्टी में 50 परसेंट की छूट दी जाएगी। कुलगांव बदलापुर नगर परिषद ने पिछले हफ्ते इसकी घोषणा की थी। अंबरनाथ नगर परिषद ने मंगलवार को यह घोषणा की। प्रशासन ने लोगों से प्रॉपर्टी टैक्स और बकाया चुकाने के लिए इस योजना का फायदा उठाने की अपील की है।

पिछले हफ्ते घोषणा की गई थी कि कुलगांव बदलापुर नगर परिषद के जरिए अभय योजना लागू की गई है। इसके लिए चीफ ऑफिसर मारुति गायकवाड़ ने नवंबर 2025 में डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर ऑफिस को लिखा था। नई चुनी गई मेयर रुचिता घोरपड़े ने इस पर फॉलोअप किया था। उसके बाद डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर ऑफिस ने इस अभय योजना के प्रपोजल को मंजूरी दे दी। इसके अनुसार, मेयर रुचिता घोरपड़े ने नागरिकों से बकाया पेमेंट करने की अपील की है।

मंगलवार को अंबरनाथ म्युनिसिपल काउंसिल की मेयर तेजश्री करंजुले ने अभय योजना की घोषणा की। इसके अनुसार, अगर अंबरनाथ शहर में बकाया रखने वाले लोग मूल रकम के साथ बकाया एकमुश्त पेमेंट करते हैं, तो पेनल्टी पर 50 परसेंट की छूट दी जाएगी। तेजश्री करंजुले ने नागरिकों से इस मौके का फायदा उठाने की अपील की है। यह स्कीम 31 मार्च तक लागू रहेगी, ऐसा म्युनिसिपल काउंसिल एडमिनिस्ट्रेशन ने बताया है। म्युनिसिपल काउंसिल एडमिनिस्ट्रेशन को उम्मीद है कि इस अभय योजना से नागरिकों पर बकाया का बोझ कम होगा और म्युनिसिपल काउंसिल के खजाने में भी रेवेन्यू बढ़ेगा।

स्कूल छूटने के समय ट्रैफिक पुलिस तैनात करने की मांग

▶▶उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ में कई स्कूलों के छूटने के बाद हजारों विद्यार्थियों को घर तक पहुंचाने के लिए दर्जनों आटो रिक्शा, वैन, बस स्कूलों के सामने खड़े हो जाने से फातिमा स्कूल रोड पर ट्रैफिक जाम हो जाता है.

ट्रैफिक पुलिस की ड्यूटी स्कूल छूटने के समय स्कूल के समक्ष गेट के पास लगाने की मांग नगरसेवक विकास हेमराज ने यातायात पुलिस अंबरनाथ के निरीक्षक को एक निवेदन देकर की है. शहर पश्चिम में फातिमा हाईस्कूल, साउथ इंडियन स्कूल और टीएमएस स्कूल बच्चों को दोपहर 12 से 12.30 बजे तक एवं शाम को 5 से 6 बजे के बीच छोड़ते हैं. इन बच्चों को घर तक पहुंचाने के लिए दर्जनों रिक्शा चालक सड़क पर आड़ा-तिरछा रिक्शा लगाकर खड़े रहते हैं. यही हाल वैन और बस चालकों का भी है. जिसके कारण स्टेसन से वांद्रा पाड़ा, चिंचपाड़ा, कोहोजगांव जाने और स्टेशन जाने के लिए वाहनों को ट्रैफिक जाम का कभी-कभी तो 15 मिनट तक सामना करना पड़ता है. राहगीरों को भी परेशानी होती है. हजारों विद्यार्थी एक साथ सड़क पर आ जाने से वह हादसे का शिकार भी हो सकते हैं.

पहले स्कूल छूटते समय यहां पर ट्रैफिक पुलिस तैनात रहते थे. लेकिन गत कई महिनों से ट्रैफिक पुलिस यहां पर मौजूद नहीं रहते हैं. विकास हेमराज ने ट्रैफिक जाम को एवं बच्चों की जान को खतरा देखते हुए स्कूल छूटते समय ट्रैफिक पुलिस तैनात करने की मांग की है. विदित हो कि 3 वर्ष पूर्व फातिमा स्कूल गेट के सामने इस सड़क पर एक चार पहिया वाहन का ब्रेक फेल होने से हादसा हुआ था.

फ्यूनिकुलर ट्रेन को पर्यटकों का ज़बरदस्त रिस्पॉन्स

■ आठ दिनों में 36,000 पैसेंजर्स ने सफ़र किया,

■ लगातार छुट्टियों से भीड़ बढ़ी

अंबरनाथ. अंबरनाथ तालुका के मशहूर हाजीमलंग में हाल ही में शुरू हुई फ्यूनिकुलर ट्रेन को पैसेंजर्स से ज़बरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। शुरू होने के सिर्फ़ आठ दिनों में 36,000 से ज़्यादा पैसेंजर्स ने इस ट्रेन का मज़ा लिया है। शनिवार से सोमवार तक लगातार तीन दिनों की छुट्टियों में इस ट्रेन में 27,000 पैसेंजर्स ने सफ़र किया है। इससे प्रोजेक्ट डायरेक्टर कंपनी के खजाने में भारी रेवेन्यू जमा हुआ है। यह फ्यूनिकुलर ट्रेन हाजीमलंग इलाके को टूरिज़्म मैप पर हाईलाइट करेगी।

अंबरनाथ तालुका में हाजीमलंग हिंदुओं और मुसलमानों का श्रद्धास्थान है एवं टूरिस्ट सेंटर भी है। हाजीमलंग की चोटी पर पहुँचने के बाद दिखने वाली खूबसूरत पहाड़ियाँ, मुश्किल सफ़र और नेचर टूरिस्ट्स को लुभाते हैं। इस जगह के धार्मिक महत्व की वजह से, पिछले कई सालों में यहाँ कई तरह की सुविधाएँ बनाई गई हैं। अभी भी श्रद्धालुओं को हाजीमलंग पहुंचने के लिए करीब तीन हजार सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। यहां श्रद्धालुओं के आराम करने के लिए रेस्ट स्टॉप भी हैं। हालांकि, यहां मलंगगढ़ तक सीधे जाने के लिए एक फनिक्युलर ट्रेन चलाने का प्रस्ताव रखा गया था। इसे उस समय के मुख्यमंत्री विलासराव देशमुख के समय मंजूरी मिली थी। हालांकि, उसके बाद इस प्रोजेक्ट में देरी होती गई। इस प्रोजेक्ट का काम कई बार रुका और शुरू हुआ।

दो साल पहले इस प्रोजेक्ट के लिए कोच लाए और लगाए गए थे, तो उम्मीद थी कि इसका काम समय पर पूरा हो जाएगा और सर्विस शुरू हो जाएगी। हालांकि, उसके बाद भी प्रोजेक्ट में देरी होती रही। आखिरकार पिछले हफ्ते एक छोटे से प्रोग्राम में इस प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया गया। उसके बाद प्रोजेक्ट को श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया। इस फनिक्युलर ट्रेन से 90 मिनट का पैदल रास्ता अब सिर्फ 10 मिनट में हो जाता है। इसके लिए 150 रुपये का टिकट लग रहा है। पहले तीन हजार सीढ़ियां चढ़कर किले तक पहुंचा जा सकता था। लेकिन अब यह सफर सिर्फ कुछ मिनटों का होता है।

मेले में बढ़ेगी भीड़...

■ शुक्रवार से हाजीमलंग में सालाना माघ पूर्णिमा के मौके पर मेला लगता है। इस मौके पर यहां हजारों भक्त आते हैं। 2 फरवरी को यहां एक बड़ा फेस्टिवल होगा। इसलिए, उम्मीद है कि आने वाले दिनों में पैसेंजर्स की भीड़ और बढ़ेगी। इसलिए, कंपनी को क्राउड प्लानिंग का चैलेंजिंग काम करना होगा।

जब से यह ट्रेन शुरू हुई है, पहले दिन से ही पैसेंजर्स का अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। यहां की ऑपरेटर कंपनी ने बताया है कि पिछले आठ दिनों में इस ट्रेन से 36 हजार 300 पैसेंजर्स ने सफर किया है। खासकर, पिछले शनिवार, रविवार और सोमवार की लगातार तीन छुट्टियों की वजह से कंपनी के खजाने में काफी रेवेन्यू जमा हुआ है। इन तीन दिनों में इस ट्रेन से 27 हजार पैसेंजर्स ने सफर किया है। इन तीन दिनों में यहां का प्लेटफॉर्म पैसेंजर्स से भरा रहा।

तीन सगे भाइयों ने चचेरे भाई की चाकू घोंपकर की हत्या

भिवंडी. शांतिनगर पुलिस स्टेशन हद आज़ाद नगर निज़ाम होटल के पास रिश्ते को तार तार करने वाली घटना प्रकाश में आई है. मौसेरी बहन और उसके पति के आपसी विवाद में बीचबचाव करना एक युवक को भारी पड़ गया.इसी रंजिश को लेकर तीन सगे भाइयों ने साजिश रचकर अपने ही चचेरे भाई की रास्ते में घेरकर चाकू से गोदकर हत्या कर दी. घटना के बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है.

शांतिनगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विनायक गायकवाड़ के अनुसार, न्यू आजाद नगर झोपड़पट्टी निवासी गुलजार मकबूल अहमद शहा (25) और उसकी मौसेरी बहन और उसके पति के बीच विवाद हुआ था, जिसमें उसके भाई दिलशाद मकबूल अहमद शहा (23) ने झगड़े को छुड़ाने हेतु मध्यस्थता की थी.इसी बात को लेकर उसके चचेरे भाई आसीफ अब्दुलहकीम शहा (20), अलीहसन अब्दुलहकीम शहा (23) और मुझफ्फर अब्दुलहकीम शहा (25) नाराज़ थे. जिसके बाद उन्होंने आपस में मिलकर घर जाते समय दिलशाद को रास्ते में रोक कर आसीफ ने चाकू से दिलशाद के सीने और शरीर के अन्य हिस्सों पर कई वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया. बीचबचाव करने पहुंचे लोगों को धमकाकर तीनों आरोपी भाई मौके से फरार हो गए.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

तेजाब पर रोक, फिर भी हमले जारी

तेजाब से हमले की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इससे केवल शारीरिक पीड़ा ही नहीं, बल्कि गहरा मानसिक और भावनात्मक आघात भी पहुंचता है। कई बार पीड़ित महिलाओं को अवसाद और सामाजिक अलगाव का सामना भी करना पड़ता है, जो उनके लिए जिंदगी भर का दर्द बन जाता है। सवाल है कि इस तरह के हमलों पर अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है? साथ ही पीड़ित महिलाओं को समय पर न्याय मिल रहा है या नहीं, उनके पुनर्वास के लिए सरकारी योजनाओं की स्थिति क्या है और पीड़ितों को उनका लाभ मिल पा रहा है या नहीं? ये ऐसे सवाल हैं, जिनको लेकर सर्वोच्च न्यायालय भी चिंतित है।

यही वजह है कि मंगलवार को शीर्ष अदालत ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से तेजाब हमलों से संबंधित मामलों का वर्ष वार ब्योरा, अदालतों में उनकी स्थिति तथा पीड़ितों की मदद के लिए पुनर्वास उपायों का विस्तृत विवरण देने को कहा है। साथ ही केंद्र सरकार से संबंधित कानून में बदलाव पर विचार करने को भी कहा है, ताकि दोषियों को कड़ी सजा मिल सके।

गौरतलब है कि सर्वोच्च न्यायालय ने वर्ष 2013 में खुले बाजार में तेजाब की बिक्री पर रोक लगा दी थी। इसके बाद तेजाब से हमले की घटनाओं में थोड़ी कमी देखी गई, मगर पिछले कुछ वर्षों से यह आंकड़ा फिर बढ़ने लगा है। राष्ट्रीय अपराध रेकार्ड ब्यूरो की एक रपट के मुताबिक, वर्ष 2017 में तेजाब हमलों के 244 मामले दर्ज हुए थे, जबकि वर्ष 2021 में ऐसे 176 मामले सामने आए। वर्ष 2023 में यह आंकड़ा बढ़कर 207 हो गया।

ऐसे में यह सवाल महत्त्वपूर्ण है कि जब खुले बाजार में तेजाब की बिक्री पर रोक है, तो फिर आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों की इस तक पहुंच कैसे संभव हो पा रही है। जाहिर है, कुछ लोग अवैध तरीके से तेजाब की बिक्री करते हैं और सरकारी तंत्र की अनदेखी का दंश कई महिलाओं को झेलना पड़ता है। यह बात भी छिपी नहीं है कि तेजाब हमले के पीड़ितों एवं उनके परिजनों को कई बार न्याय के लिए वर्षों तक अदालत के चक्कर काटने पड़ते हैं और उनके पुनर्वास की सरकारी योजनाएं भी कागजों तक ही सीमित रह जाती है।

अब मूलभूत परिवर्तन की दिशा में बढ़ाने होंगे कदम

हर साल फरवरी में आने वाले बजट को एक ऐसे राष्ट्रीय पथप्रदर्शक के रूप में देखा जाता है, जिसके माध्यम से देश की ढांचागत समस्याओं के समाधान की आस जुड़ी होती है। हालांकि वास्तविकता यह है कि संसाधन सीमित हैं, लेकिन चुनौतियां विकराल। केंद्रीय वित्त मंत्री के हाथों में जहां करीब 50 लाख करोड़ रुपये के खर्च का बहीखाता होता है, वहीं केंद्र और राज्यों का सम्मिलित सालाना व्यय करीब 100 लाख करोड़ रुपये पहुंच जाता है। यह भारी-भरकम राशि भी हमारी जीडीपी के 30 प्रतिशत से भी कम है। जबकि विकसित देशों में यह सालाना खर्च उनकी जीडीपी का 40 से 50 प्रतिशत तक होता है। हमारी विशालकाय जनसंख्या को देखते हुए प्रति व्यक्ति पैमाने के संदर्भ में विकसित देशों और हमारे बीच अंतर की यह खाई और चौड़ी हो जाती है।

खर्च की राशि और मात्रा से इतर उसकी गुणवत्ता को समझना भी महत्वपूर्ण है। हमारे कुल व्यय का करीब 25 प्रतिशत ब्याज भुगतान में खर्च हो जाता है, जबकि अधिकांश विकसित देशों में यह स्तर 10 प्रतिशत से कम है। हमारे संदर्भ में ब्याज पर भारी भुगतान का कारण जीडीपी अनुपात में कर्ज के ऊंचे स्तर से अधिक अपेक्षाकृत कमजोर क्रेडिट रेटिंग के चलते मिलने वाला महंगा कर्ज अधिक जिम्मेदार है। ब्याज भुगतान, वेतन, पेंशन और सब्सिडी जैसे खर्च की प्रतिबद्ध मद ही हमारे 60 प्रतिशत संसाधनों को सोख लेती हैं और ऐसी स्थिति में बुनियादी ढांचे से जुड़े परिसंपत्ति निर्माण, शिक्षा एवं

स्वास्थ्य जैसे सामाजिक संकेतकों और रक्षा पर खर्च करने के लिए मात्र 40 प्रतिशत संसाधन शेष रह जाते हैं।

बजट की प्रक्रिया में अपर्याप्त व्यय आवंटन के जरिये एक खराब शुरुआत होती है। कम प्रति व्यक्ति खर्च स्थिति को और बिगाड़ देता है। तिस पर कमजोर क्रियान्वयन हमारी परेशानियां और कई गुना बढ़ा देता है। परिणामस्वरूप विकास के मोर्चे पर कई विसंगतियां सामने आती हैं, जिसे केंद्र और राज्य सरकारों के बजट दूर करने में असमर्थ रहे हैं। चूंकि केंद्र सरकार ही सर्वाधिक राजस्व जुटाती और खर्च करती है तो स्वाभाविक रूप से अपेक्षाओं का बोझ भी उसे ही उठाना पड़ता है। अधिक खर्च करने के लिए वित्त मंत्री को ज्यादा आय की व्यवस्था करनी होगी। पिछले वर्ष प्रत्यक्ष करों के स्तर पर रियायत, वित्तीय वर्ष के मध्य में ही जीएसटी दरों में कटौती और विभिन्न व्यापार समझौतों के अस्तित्व में आने से सीमा शुल्क में संकुचन के बाद अब राजस्व बढ़ाने के लिए नई राह की ओर देखना होगा।

हमारा टैक्स-जीडीपी अनुपात लगभग 12 प्रतिशत है, जबकि अधिकांश विकसित देशों में यह 35 से 45 प्रतिशत के दायरे में होता है। भारत में आयकर चुकाने वाली आबादी दो से तीन प्रतिशत के बीच है, जो विकसित देशों में 45 से 55 प्रतिशत तक होती है। इसका एक महत्वपूर्ण कारण कृषि आय को कर से छूट दिया जाना है। कृषि से जुड़े हमारे लगभग 40 प्रतिशत अंशभागी कर देनदारी के दायरे से बाहर हैं। इसलिए समृद्ध कृषकों को आयकर के दायरे में लाना होगा। इसके लिए या तो एक निश्चित स्तर से ऊपर की आय अथवा कृषि भूमि आकार को आधार बना सकते हैं। यह राजनीतिक रूप से आज भले ही आत्मघाती प्रतीत हो, परंतु यह वह विचार है, जिसे आकार देने का समय अब आ चुका है।

विनिवेश को लेकर भी हम क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। दिग्गज सार्वजनिक उपक्रमों का समग्र बाजार पूंजीकरण लगभग 40 लाख करोड़ रुपये है। निजीकरण की बात न भी करें तो सरकार बहुलांश हिस्सेदारी अपने पास रखते हुए भी कुछ इक्विटी बेचकर काफी राजस्व जुटाने में सक्षम हो सकती है। भूमि का मुद्रीकरण भी अपार संभावनाओं से भरा अवसर है। चूंकि सरकार के हिस्से में ही सबसे अधिक जमीन है, जिसका एक बड़ा हिस्सा अनुपयोगी पड़ा है, तो उसका प्रभावी उपयोग भी व्यापक राजस्व की राह खोल सकता है।

प्रत्यक्ष करों को तर्कसंगत बनाना सदैव प्राथमिकता में होना चाहिए। लाभांश पर प्राप्तकर्ता के हाथों सीमांत दरों पर कर लगाना दोहरे कराधान का एक स्पष्ट उदाहरण है, जिसे सुधार की सख्त आवश्यकता है। वेतनभोगियों के लिए मानक कटौती बढ़ाना और आवासीय ऋण के ब्याज पर कटौती की सीमा में वृद्धि करना उपयुक्त होगा।

ध्यानाभ्यास के द्वारा जीवन के वो सभी रहस्य जो मानवता को उलझाए हुए हैं, सुलझ जाते हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

भारत और यूरोपीय संघ के बीच व्यापार समझौता

बदलते दौर में भू-राजनीतिक उथल-पुथल के बीच भारत अपनी आर्थिक और रणनीतिक साझेदारी बढ़ाने के लिए विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते करने की राह पर आगे बढ़ रहा है। इसी क्रम में अब भारत और यूरोपीय संघ के बीच ऐतिहासिक समझौता होने वाला है, जिसकी घोषणा द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन में किए जाने की संभावना है।

इसके तहत रक्षा क्षेत्र, समुद्री सुरक्षा एवं आतंक के खिलाफ साझा मोर्चेबंदी, भारतीय और यूरोपीय नागरिकों की आसान आवाजाही तथा वस्त्र उद्योग एवं प्रौद्योगिकी जैसे महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग के नए द्वार खुलेंगे। यह समझौता इसलिए भी अहम होगा, क्योंकि माना जा रहा है कि इससे अमेरिका की शुल्क नीति के प्रभाव से निपटने के लिए भारत और यूरोपीय देशों के बीच साझा एवं व्यापक दृष्टिकोण विकसित होगा।

अनुमान है कि इस समझौते से दो अरब लोगों का एक ऐसा बाजार बनेगा, जो वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का लगभग एक चौथाई हिस्सा होगा। इससे न केवल भारत के निर्यात को गति मिलेगी, बल्कि यहां के पेशेवरों के लिए यूरोपीय देशों में रोजगार पाने का रास्ता भी सुगम हो जाएगा।

इसमें दोराय नहीं कि अमेरिका की ओर से भारत पर पचास फीसद शुल्क

लगाए जाने के बाद देश का निर्यात कारोबार प्रभावित हुआ है।

नतीजतन, भारत अपने उत्पादों के लिए दुनिया के विभिन्न देशों में वैकल्पिक बाजार तलाशने के हर संभव प्रयास में जुटा है। हाल ही में भारत ने न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार एवं व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते को अंतिम रूप दिया है। इससे पहले ब्रिटेन और ओमान के साथ व्यापार समझौते किए गए थे। यूरोपीय संघ के साथ भारत ने मुक्त व्यापार समझौते के लिए बातचीत पहली बार वर्ष 2007 में शुरू की थी, लेकिन कुछ मसलों पर आपसी सहमति न बनने के कारण वर्ष 2013 में बातचीत स्थगित कर दी गई थी।

जून, 2022 में वार्ता को फिर से आगे बढ़ाया गया, जो निर्णायक रही। अंतरराष्ट्रीय व्यापार से जुड़े जानकारों का मानना है कि यह ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने में गुणात्मक बदलाव लाएगा। माना जा रहा है कि शिखर सम्मेलन में मुक्त व्यापार समझौते को मंजूरी देने के अलावा दोनों पक्ष रक्षा ढांचागत समझौता और एक रणनीतिक एजंडा भी प्रस्तुत करेंगे।

गौरतलब है कि भारत और यूरोपीय संघ वर्ष 2004 से रणनीतिक साझेदार रहे हैं। प्रस्तावित सुरक्षा एवं रक्षा साझेदारी दोनों पक्षों के बीच सहयोग को और गहरा करने में सहायक होगी। इससे रक्षा क्षेत्र में आपसी तालमेल बढ़ेगा और भारतीय कंपनियों के लिए यूरोपीय संघ के 'सेफ' (सिक्योरिटी एक्शन फार यूरोप) कार्यक्रम में भागीदारी के रास्ते खुलेंगे। विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक समझौते से देश के वस्त्र निर्यात को भी प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है।

यूरोपीय संघ दुनिया का सबसे बड़ा परिधान बाजार है। वर्तमान में भारत इस क्षेत्र में 4.5 अरब डालर से अधिक मूल्य के परिधानों का निर्यात करता है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में यूरोपीय संघ के साथ भारत का कुल वस्तु व्यापार लगभग 136 अरब अमेरिकी डालर का था, जिसमें निर्यात की हिस्सेदारी करीब 76 अरब अमेरिकी डालर थी।

अब बहु-प्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौते पर मुहर लगने से निश्चित रूप से द्विपक्षीय व्यापार को एक नई दिशा मिलेगी और भारत के निर्यात कारोबार पर अमेरिकी शुल्क के प्रभाव को कम करने में भी काफी मदद मिलेगी।

80 साल के दादाजी पर आया जवान लड़की का दिल

जरा हट के

हाल ही में एक वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने नेटिजन्स को हैरान कर दिया है. इस वीडियो में एक 80 साल के बुजुर्ग और एक काफी कम उम्र की जवान लड़की को शादी के जोड़े में बैठे हुए देखा जा सकता है. यह वीडियो किसी बंगाली शादी की रस्मों जैसा लग रहा है, जहां दोनों ने पारंपरिक मुकुट (टोपोर) और माला पहनी हुई है. वीडियो की सबसे चौंकाने वाली बात दुल्हन का व्यवहार है. वह कैमरे के सामने अपनी हंसी नहीं रोक पा रही है और बार-बार अपना मुंह छिपाकर हंस रही है. वहीं, बगल में बैठे बुजुर्ग दूल्हे के चेहरे के हाव-भाव भी काफी मजेदार और थोड़े अजीब हैं.

वीडियो में दूल्हा बना बुजुर्ग शख्स कभी कैमरे की ओर देखता है तो कभी अपनी दुल्हन की ओर, लेकिन उनके चेहरे पर एक अलग ही उत्साह नजर आ रहा है. आस-पास खड़े लोग भी

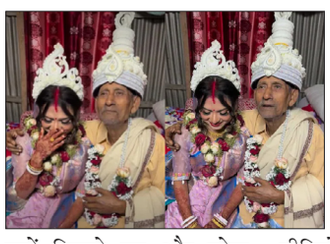

उन्हें चिढ़ाते हुए और जोक मारते हुए सुनाई दे रहे हैं, जिससे यह पूरा नजारा किसी कॉमेडी सीन जैसा लग रहा है. वीडियो में एक शख्स पूछता है कि आप अपनी दुल्हन से खुश हैं, तो बूढ़ा आदमी हां कहता है. इस दौरान दुल्हन भी मुस्कुराती है. हालांकि, ऐसा लगता है कि इस वीडियो को सिर्फ मनोरंजन के उदेश्य से बनाया गया है. लेकिन शादी जैसे गंभीर मामले पर इस तरह के छीछोरे वीडियो सवाल खड़े करते हैं. वीडियो के वायरल होते ही सोशल मीडिया पर कमेंट्स की बाढ़ आ गई है. लोग इस जोड़ी को देखकर तरह-तरह की अटकलें लगा रहे हैं. कुछ यूजर्स का कहना है कि यह शादी केवल 'पैसों के लालच' में की गई है, जैसा कि वीडियो के कैप्शन में भी संकेत दिया गया है.

हालांकि, कुछ लोगों का मानना है कि यह केवल एक प्रैंक या किसी नाटक का हिस्सा हो सकता है, जिसे केवल वायरल होने के लिए बनाया गया है. एक यूजर ने चुटकी लेते हुए लिखा, "दादाजी की तो लॉटरी लग गई," जबकि दूसरे ने लिखा, "आजकल फेम पाने के लिए लोग कुछ भी कर सकते हैं."

मूली का अचार

मूली का अचार सिर्फ स्वाद ही नहीं बढ़ाता, बल्कि यह पेट के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। सबसे अच्छी बात यह है कि इसे बनाने के लिए आपको घंटों मेहनत करने की जरूरत नहीं है। यह झटपट तैयार होने वाला अचार है जो मिनटों में बनेगा और महीनों तक चलेगा।

सामग्री

- ताजी मूली : 500 ग्राम
- सरसों का तेलः आधा कप
- मसालेः राई , सौंफ, मेथी दाना, कलौंजी
- पाउडर मसालेः हल्दी, लाल मिर्च पाउडर, नमक
- खटास के लिएः नींबू का रस या थोड़ा-सा सिरका

बनाने की विधि

सबसे पहले मूली को धोकर, छीलकर अपनी पसंद के आकार में काट लें। सबसे जरूरी बात- मूली को काटने के बाद उसे कुछ घंटों के लिए धूप में या पंखे के नीचे सुखा लें। याद रखें, मूली में नमी नहीं रहनी चाहिए, वरना अचार जल्दी खराब हो सकता है।

अब बारी आती है मसालों के

जादू की। एक पैन में सौंफ, राई और मेथी दाना को हल्का सा भून लें। जब मसालों से भीनी-भीनी खुशबू आने लगे, तो गैस बंद कर दें और उन्हें दरदरा पीस लें। यही वो मसाला है जो आपके अचार को वह चटखारेदार स्वाद देगा।

अब सरसों के तेल को धुआं उठने तक गर्म करें और फिर थोड़ा ठंडा होने दें। एक बड़े बर्तन में सूखी हुई मूली लें, उसमें तैयार किया हुआ मसाला, हल्दी, लाल मिर्च, नमक और कलौंजी डालें। ऊपर से गुनगुना तेल और नींबू का रस/सिरका डालकर अच्छी तरह मिलाएं।

बस फिर, तैयार हो जाएगा आपका चटपटा मूली का अचार। आप इसे तुरंत भी खा सकते हैं, लेकिन असली मजा 1-2 दिन बाद आता है जब मूली मसालों को पूरी तरह सोख लेती है। इसे एक कांच के जार में भरकर रखें।

डॉक्टर ने बताए कारण और बचाव के तरीके

असंतुलित खानपान, तनाव और आयोडीन की कमी इस बीमारी के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं। दरअसल, थायरॉइड ग्रंथि शरीर के सामान्य कार्यों को बनाए रखने के लिए आवश्यक हार्मोन का उत्सर्जन करती है। जब यह सक्रिय रूप से कार्य नहीं करती है तो लोग शारीरिक और मानसिक रूप से भी अस्वस्थ महसूस करने लगते हैं।
कम उम्र की महिलाओं में भी आजकल यह समस्या देखने को मिल रही है। इसके पीछे क्या कारण हैं, इसके लक्षण कैसे होते हैं और इससे बचने के लिए किन सावधानियों का ध्यान रखना चाहिए। आइए इन सभी बातों के बारे में डॉ. राजेश खड़गावत (एंडोक्राइनोलोजिस्ट, एम्स, नई दिल्ली) से जानते हैं।

कम उम्र में ही महिलाओं में बढ़ रही है थायरॉइड की समस्या

■ कम उम्र की महिलाओं में थायरॉइड के प्रमुख कारण

कम उम्र की महिलाओं में थायरॉइड की बीमारी होने के पीछे कई कारण हैं, जैसे- वायरल संक्रमण, तनाव, आयोडीन, आयरन और जिंक जैसे पोषक तत्वों की कमी, शारीरिक गतिविधियां कम करना आदि शामिल हैं। व्यस्त दिनचर्या की वजह से महिलाएं जंक और पैकेज्ड फूड ज्यादा खाने लगी हैं, जिससे उनकी थायरॉइड ग्रंथ प्रभावित हो रही है।

■ थायरॉइड के लक्षण कैसे होते हैं?

अगर मासिक धर्म में अनियमितता, वजन बढ़ना, कमजोरी, बालों का झड़ना, त्वचा में रूखापन, गले की आवाज का भारी होना, चिड़चिड़ापन या फिर बैड कोलेस्ट्रोल बढ़ने जैसे लक्षण हैं तो डाक्टर से संपर्क करके थायरॉइड की जांच करवा लेनी चाहिए। यह एक सामान्य रक्त जांच है जिससे बीमारी का पता चल जाता है।

■ क्या क्या सावधानियां बरतनी चाहिए?

- थकान, कमजोरी जैसे लक्षण दिखने पर थायरॉइड जांच कराएं।
- डॉक्टर द्वारा निर्धारित दवा का नियमित सेवन करना चाहिए।
- भोजन में पोषक तत्वों का ध्यान रखना चाहिए, जिंक और आयोडीन से भरपूर भोजन करें।
- विटामिन डी और प्रोबायोटिक युक्त आहार लें।
- चीनी युक्त आहार से परहेज करें।
- मौसमी फलों का सेवन सेहत के लिए लाभदायक रहता है।
- प्रतिदिन सैंधा नमक खाने से परहेज करें।

- आयरन और मैग्नीशियम से भरपूर पालक और पत्तेदार साग खाएं।
- स्विमिंग, योगा और अन्य शारीरिक गतिविधियां जरूर करें।
- सुबह 15 से 20 मिनट की धूप लेने का प्रयास करें।
- योग- व्यायाम से तनाव को कम करें और दिनचर्या को सही रखें।

आज का राशिफल

मेष : भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बेरोजगारी दूर होगी। लाभ होगा। मान-प्रतिष्ठा में कमी आएगी। कामकाज में बाधाएं आ सकती हैं। कर्मचारियों पर व्यर्थ संदेह न करें। आर्थिक लाभ मिलने से एक्स्ट्रा खर्च उठा पाएंगे। शत्रु सक्रिय रहेंगे। स्वास्थ्य कमजोर होगा।

वृषभ : व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। पारिवारिक उन्नति होगी। सुखद यात्रा के योग बनेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। स्वविवेक से कार्य करना लाभप्रद रहेगा।

मिथुन : गीत-संगीत में रुचि बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। पुराना रोग उभर सकता है। शोक समाचार मिल सकता है। भागदौड़ रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। अधूरे कामों में गति आएगी। व्यावसायिक गोपनीयता भंग न करें।

कर्क : घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। धनलाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में उन्नति के योग हैं। वाणी पर संयम आवश्यक है। जीवनसाथी से मदद मिलेगी। सामाजिक यश-सम्मान बढ़ेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। यात्रा सफल रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें।

सिंह : शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। मान बढ़ेगा। स्वजनों से मेल-मिलाप होगा। नौकरी में ऐच्छिक पदोन्नति की संभावना है। पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। किसी की आलोचना न करें। खानपान का ध्यान रखें। आर्थिक संपन्नता बढ़ेगी।

कन्या : अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। नौकरी में अधिकार बढ़ेंगे। व्यावसायिक समस्या का हल निकलेगा। नई योजना में लाभ की संभावना है। घर में मांगलिक आयोजन हो सकते हैं। जीवनसाथी से संबंध घनिष्ठ होंगे। रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

तुला : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। राजकीय कार्य में परिवर्तन के योग बनेंगे। आलस्य का परित्याग करें। आपके कामों की लोग प्रशंसा करेंगे। व्यापार लाभप्रद रहेगा। नई कार्ययोजना के योग प्रबल हैं। ऐश्वर्य पर व्यय होगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें।

वृश्चिक : व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कानूनी मामले सुधरेंगे। धन का प्रबंध करने में कठिनाई आ सकती है। आहार की अनियमितता से बचें। व्यापार, नौकरी में उन्नति होगी। लेन-देन में सावधानी रखें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रखें।

धनु : व्यापार-व्यवसाय सामान्य रहेगा। दूरदर्शिता एवं बुद्धि चातुर्य से कठिनाइयां दूर होंगी। राज्य तथा व्यवसाय में सफलता मिलने के योग हैं। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। पुराना रोग उभर सकता है। चोट व दुर्घटना से बचें। वस्तुएं संभालकर रखें। बाकी सामान्य रहेगा।

मकर : लाभ के अवसर मिलेंगे। प्रसन्नता रहेगी। कुछ मानसिक अंतर्द्वंद्व पैदा होंगे। पारिवारिक उलझनों के कारण मानसिक कष्ट रहेगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे। धैर्य एवं संयम रखकर काम करना होगा। यात्रा आज न करें।

कुंभ : नए अनुबंध होंगे। नई योजना बनेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। कार्य में व्यय की अधिकता रहेगी। दांपत्य जीवन में भावनात्मक समस्याएँ रह सकती हैं। व्यापार में नए अनुबंध आज नहीं करें। राजमान प्राप्त होगा। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी।

मीन : परिवार के सहयोग से दिन उत्साहपूर्ण व्यतीत होगा। योजनानुसार कार्य करने से लाभ की संभावना है। आर्थिक सुदृढ़ता रहेगी। धनार्जन होगा। संतान के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। बेचैनी दूर होगी। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

रात को जल्दी सोना क्यों होता है मुश्किल ?

■ जान लीजिए इसकी 5 बड़ी वजह
■ सेहत में हो जाएगा सुधार

अच्छी सेहत के लिए रोज 7-8 घंटे की अच्छी नींद लेना जरूरी होता है. जिस तरह हमारे शरीर के लिए रोज खाना जरूरी होता है, वैसे ही नींद भी उतनी ही जरूरी होती है. नींद की कमी से कई गंभीर बीमारियां पैदा हो सकती हैं. आजकल लोगों की लाइफस्टाइल और खान-पान बदल गया है, जिसकी वजह से नींद से जुड़ी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं. अब लोग देर रात तक जागते रहते हैं और कोशिश करने के बाद भी नींद नहीं आती हैं. नींद की कमी न सिर्फ अगले दिन एनर्जी की कमी महसूस होती है, बल्कि कई गंभीर बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है. अगर आप भी जल्दी सोना चाहते हैं, लेकिन नींद नहीं आती, तो इसके पीछे कुछ बड़ी वजहें हो सकती हैं.

■ रात में जल्दी नींद न आने के 5 कारण

■ ज्यादा स्क्रीन टाइम

स्लीप एक्सपर्ट्स की मानें तो रात को सोने से पहले मोबाइल, लैपटॉप या टीवी देखने की आदत

दिमाग को एक्टिव मोड में रखती है. इन डिवाइस की स्क्रीन से निकलने वाली ब्लू लाइट मेलाटोनिन हार्मोन को रिलीज होने से रोकती है. यह हार्मोन नींद के लिए जरूरी होता है. इसकी कमी से शरीर थका होने के बावजूद दिमाग सोने के लिए तैयार नहीं होता है.

■ तनाव और ओवरथिंकिंग

दिनभर की परेशानियां, काम का स्ट्रेस और भविष्य की चिंता रात में दिमाग को शांत नहीं होने देती है. बिस्तर पर लेटते ही दिमाग में तरह-तरह के विचार घूमने लगते हैं, जिससे नींद आने में देर होती है. लगातार तनाव में रहने से नींद की गुणवत्ता भी खराब हो जाती है. अगर आप जल्दी सोना चाहते हैं, तो स्ट्रेस कम करें और ज्यादा सोचने से बचें.

■ देर से डिनर करना और अनहेल्दी फूड्स

रात में भारी, मसालेदार या ज्यादा तला-भुना खाना पाचन को बिगाड़ सकता है. देर से डिनर करने पर शरीर भोजन पचाने में व्यस्त रहता है और नींद प्रभावित होती है. इसके अलावा कैफीन वाली चीजें जैसे चाय, कॉफी या एनर्जी ड्रिंक भी नींद में बाधा डालती हैं.

■ बिगड़ा हुआ रूटीन

हर दिन अलग-अलग समय पर सोना और उठना शरीर की नेचुरल बायोलॉजिकल क्लॉक को बिगाड़ देता है. जब शरीर को यह पता ही नहीं होता कि सोने का सही समय क्या है, तो नींद अपने आप देर से आती है. वीकेंड पर देर तक जागना और देर से उठना भी इसका एक बड़ा कारण है.

■ फिजिकल एक्टिविटी की कमी

पूरे दिन एक ही कुर्सी पर बैठे रहना और एक्सरसाइज न करना भी नींद को प्रभावित करता है. जब शरीर थकता नहीं है, तो रात में नींद गहरी नहीं आती है. जब आप शारीरिक रूप से थके हुए होते हैं, तब नींद बहुत जल्दी आ जाती है. हल्की-फुल्की एक्सरसाइज या शाम की वॉक नींद की गुणवत्ता को बेहतर बना सकती है.

सिर्फ स्वाद ही नहीं, पेट के लिए भी फायदेमंद है जीरा

हर रसोई में इस्तेमाल होने वाला जीरा सिर्फ स्वाद ही नहीं, सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद है. रोज सुबह जीरे का गुनगुना पानी पीने से पाचन बेहतर होता है और शरीर डिटॉक्स होता है. इसमें मौजूद फ्लेवोनॉयड्स शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट का काम करते हैं, जो फ्री रेडिकल्स से लड़ते हैं.

आयुर्वेदिक डॉक्टर महेश कुमार के अनुसार, जीरे का गुनगुना पानी पीने से शरीर का मेटाबॉलिज्म बढ़ता है और पाचन क्रिया सुधरती है. यह खाने को जल्दी पचाने में मदद करता है और मेटाबॉलिज्म तेज होने से वजन नियंत्रित रखने में भी आसानी होती है. रोजाना सेवन से शरीर ऊर्जा से भरपूर रहता है, शरीर हल्का महसूस करता है और मोटापे की समस्या कम हो सकती है. इसके नियमित सेवन से इम्यूनिटी मजबूत होती है और शरीर से हानिकारक तत्व बाहर निकलते हैं.

जीरा पाचन संबंधी समस्याओं को कम करने में बहुत लाभकारी है. यह पाचन एंजाइमों की सक्रियता बढ़ाकर अपच, गैस और कब्ज जैसी परेशानियों को दूर करता है. नियमित सेवन से पेट स्वस्थ रहता है और सूजन की समस्या कम होती है. इसमें मौजूद एंटीबैक्टीरियल और एंटी-इन्फ्लेमेटरी गुण शरीर की सूजन को घटाने में मदद करते हैं. जीरे का इस्तेमाल खाने में या गुनगुना पानी के रूप में करने से पाचन तंत्र मजबूत रहता है और शरीर को हल्का और ऊर्जावान महसूस होता है.

डॉक्टर के अनुसार, जीरे का पानी शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है. यह लीवर और किडनी की सफाई करता है और अपशिष्ट तत्वों को निष्कासित करता है. रोजाना सेवन से शरीर में जमा हानिकारक तत्व कम होते हैं और पाचन तंत्र स्वस्थ रहता है. हल्के डिटॉक्सीफायर के रूप में जीरे का पानी शरीर को ताजगी और ऊर्जा प्रदान करता है, जिससे थकान कम होती है और मेटाबॉलिज्म भी बेहतर होता है. इसे गुनगुना पीना सबसे अधिक

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

कोडीनयुक्त सिरप बेचने वाला 50 हजार का इनामी विनोद गया जेल

कानपुर. कोडीनयुक्त सिरप और नशीली दवाएं बेचने के आरोप में हरियाणा से पकड़े गए 50 हजार के इनामी विनोद अग्रवाल को जेल भेज दिया गया है। विनोद पर यूपी, हिमाचल प्रदेश समेत 12 राज्यों में 65 से ज्यादा फर्जी फर्में बनाकर सिरप बेचने का आरोप है। क्राइम ब्रांच विनोद अग्रवाल के बेटे समेत अन्य आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है। औषधि लाइसेंस की आड़ में एनडीपीएस श्रेणी से संबंधित कोडीनयुक्त सिरप व नशीली दवाएं खरीदने और बेचने वाली फर्मों के खिलाफ औषधि निरीक्षक ने दो माह के भीतर कलक्टरगंज थाने में चार, रायपुरवा, कल्याणपुर, हनुमंत विहार थाने में एक-एक मुकदमा दर्ज कराया था।

गढ़ा मोड़ के पास मिला महिला का शव

कमरौली। थाना क्षेत्र के अंतर्गत उतेलवा बाईपास के आगे गढ़ा मोड़ के पास बुधवार को एक महिला का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। मृतक महिला की उम्र लगभग 60 वर्ष के आसपास बताई जा रही है। शव की शिनाख्त अभी तक नहीं हो सकी है। थानाध्यक्ष मुकेश पटेल ने बताया कि फिलहाल महिला की पहचान नहीं हो सकी है। शव को 72 घंटे के लिए मोर्चरी में संरक्षित कराया जा रहा है। इसके बाद पहचान न होने पर पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

हरा पेड़ काटने पर ठेकेदार समेत दो पर केस

प्रतापगढ़। पट्टी क्षेत्र के पूरेधना चौकी पर तैनात हल्का दरोगा कमलेश कुमार ने हरा महुआ का पेड़ हनुमंत विद्यालय उड़ैयाडीह के सामने बिना परमिशन के काटने पर पेड़ मालिक रमाशंकर एवं ठेकेदार संगम सिंह के खिलाफ वन एक्ट की प्राथमिकी दर्ज कराई है। दरोगा की तहरीर के अनुसार, काटकर गिराया गया हरा महुआ के पेड़ के कई टुकड़े दिखाई पड़े थे। परमिशन मांगने पर कोई कागज प्रस्तुत नहीं किया गया। आरोपियों के विरुद्ध वन एक्ट की कार्यवाही पुलिस की ओर से की गई है।

ससुराल गए युवक का रेलवे ट्रैक पर मिला शव

कौशांबी. यूपी में कौशांबी के सिराथू रेलवे स्टेशन के नजदीक सोमवार की शाम ससुराल गए एक युवक का शव रेलवे ट्रैक पर पड़ा मिला। उसने खुदकुशी की या हादसे का शिकार हुआ या उसकी हत्या कर लाश ठिकाने लगाई गई, फिलहाल यह साफ नहीं है। पुलिस छानबीन में जुटी हुई है। मामले में मिली जानकारी के अनुसार संदीपन घाट थाना क्षेत्र के कशिया पूरब गांव का 28 वर्षीय पंकज कुमार पटवा पुत्र संतोष कुमार किसानी करता था। उसकी ससुराल सिराथू में है। 26 जनवरी को वह ससुराल जाने की बात कहकर घर से निकला था। वहां नहीं पहुंचा तो खोजबीन की जा रही थी। इसी बीच सोमवार की शाम सिराथू रेलवे स्टेशन के नजदीक डाउन लाइन पर उसकी क्षत-विक्षत लाश पड़ी मिली।

घर में घुसकर लकवा पीड़ित मां के सामने बेटी से रेप की कोशिश, गन प्वॉइंट पर रंगदारी मांगी

कौशांबी. यूपी में कौशांबी जिले में हैवानियत की हद पार हो गई। मंझनपुर कोतवाली इलाके की एक लकवा पीड़ित महिला के सामने घर में घुसकर उसकी बेटी से दुष्कर्म का प्रयास किया गया। आरोपी ने कनपटी पर तमंचा सटाते हुए 15 लाख रुपये की रंगदारी भी मांगी। इसके पहले वह पीड़िता की अश्लील फोटो प्रसारित करने के मामले में जेल जा चुका है। पूरे घटनाक्रम में आरोपी की मां-भाई व दो अन्य लोग भी शामिल हैं।

चाचा की छाया और अपनी पहचान की ललक

अजित पवार की 35 साल की राजनीति की झलक

मुंबई. अजित पवार के प्लेन क्रैश में निधन के चलते महाराष्ट्र के राजनीतिक जगत को बड़ा सदमा लगा है। वह एक कुशल प्रशासक माने जाते थे तो वहीं उनकी मित्रता दलीय सीमा से हमेशा ही परे रही। देवेंद्र फडणवीस भले ही भाजपा के नेता हैं, लेकिन उनके साथ अजित पवार की जुगलबंदी ऐसी थी कि समान विचारधारा वाले एकनाथ शिंदे भी असहज हो जाते थे। यहां तक कि अजित पवार का कद ऐसा बढ़ा कि जब वह चाचा शरद पवार से अलग हुए तो भी कमजोर नहीं हुए। विधानसभा चुनाव में 40 से ज्यादा सीटें हासिल करके दिखा दिया कि उनके पास कितना दमखम है। 1991 में उन्होंने पहली बार लोकसभा का चुनाव लड़ा था।

तब से अब तक 35 साल के राजनीतिक करियर में अजित पवार का यह संघर्ष चाचा की छाया और अपनी खुद की पहचान बनाने की ललक के बीच रस्साकशी का रहा है। 1959 में जन्मे अजित पवार के पिता अनंतराव पवार थे, जो शरद पवार के बड़े भाई थे। उन्हें पहली बार चुनाव लड़ने का मौका बारामती लोकसभा सीट से ही मिला था। हालांकि बाद में शरद पवार के लिए उन्होंने सीट छोड़ दी थी ताकि चाचा जीतकर नरसिम्हा राव सरकार का हिस्सा बन सकें। उनका विधानसभा करियर 1995 में बारामती विधानसभा सीट से ही शुरू हुआ था। इसके बाद वह 1999, 2004, 2009, 2014 और 2019 में भी जीते थे।

उनकी पहचान लगातार जीत के चलते पश्चिम महाराष्ट्र के शीर्ष नेता के तौर पर बनी थी। यही कारण रहा कि शरद पवार से भी ज्यादा पावरफुल वह महाराष्ट्र की राजनीति में हो गए थे। लेकिन कहा जाता है कि शरद पवार इसी पक्ष में थे कि राजनीतिक विरासत भतीजे की बजाय बेटी सुप्रिया सुले को ही दी जाए। यही बात दोनों के अलगाव का कारण बनी। इसके अलावा अजित पवार सत्ता में रहने के पक्ष में थे और उन्होंने भाजपा के साथ जाने का फैसला लिया। यह चीज उनके पक्ष में रही और वह डिप्टी सीएम रहे। 1999 में जब शरद पवार ने कांग्रेस तोड़कर एनसीपी बनाई थी तो अजित पवार उनके साथ रहे और लंबे समय तक काम करने के चलते लोग उन्हें उत्तराधिकारी के तौर पर देखने लगे थे।

40 साल की उम्र में ही बने कैबिनेट मिनिस्टर

वह पहली बार 40 साल की उम्र में ही कैबिनेट मिनिस्टर बन गए थे। इसके बाद उनके पास सिंचाई, ग्राम विकास, जल संसाधन और वित्त जैसे अहम मंत्रालय रहे। इसके अलावा वह एक कुशल संगठनकर्ता भी माने गए। इसी के चलते एनसीपी पर उनकी गहरी पकड़ रही। पार्टी और प्रशासन पर पकड़ रखने वाले अजित पवार का सम्मान बीते कुछ सालों में ऐसा हो गया था कि लोग उन्हें अजित दादा ही कहते थे। हालांकि उनके उभार ने परिवार में ही असहजता पैदा की और अंत में अलगाव भी हुआ। कहा जाता है कि बीते कुछ समय से वह दोबारा एकता के लिए राह बना रहे थे, लेकिन उनकी यह इच्छा पूरी नहीं हो सकी।

2009 में ऐसा क्या हुआ, जिससे छिड़ी पवार परिवार में सत्ता की जंग

दरअसल पवार परिवार में उत्तराधिकार का संघर्ष 2009 में शुरू हुआ, जब सुप्रिया सुले ने लोकसभा का चुनाव लड़ा। फिर रोहित पवार के आने के बाद तो यह और तेज हो गया। लेकिन इस संघर्ष में अजित पवार की बढ़त यह रही कि वह चाचा से परे भी अपनी एक अलग छवि बना चुके थे। सुप्रिया सुले की राजनीति संसद तक ही सीमित रही, जबकि अजित पवार ने जमीनी स्तर पर अपनी पकड़ को मजबूत किया। 2023 में वह एनसीपी से अलग हुए थे, लेकिन यह परिवार में विवाद का पहला मौका नहीं था। 2004 में भी तनाव पैदा हुआ था, जब एनसीपी ने सीएम का पद कांग्रेस को दे दिया था, जबकि एनसीपी सबसे बड़ा दल बनी थी।

इसके बाद 2012 में उन्होंने डिप्टी सीएम पद से इस्तीफा दे दिया था। ऐसा तब हुआ, जब उन पर सिंचाई परियोजनाओं में घोटाले के आरोप लगे थे। इसके बाद 2019 में भी उन्होंने विधायकी छोड़ी, जब उनके खिलाफ ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग केस में इस्तीफा दिया था। इसके बाद 2019 में भी तनाव की स्थिति बनी, जब तड़के ही देवेंद्र फडणवीस के साथ अजित पवार ने डिप्टी सीएम की शपथ ले ली। यह विवाद हालांकि शाम तक ही थम गया, जब अजित पवार जरूरी विधायकों की संख्या नहीं जुटा सके। यह सरकार 80 घंटे से ज्यादा नहीं चल पाई थी।

जब चाचा की छांव से निकले अजित पवार

दिलचस्प बात है कि इसी को लेकर एकनाथ शिंदे ने एक बार उन पर तंज कसा था कि अजित दादा को सुबह और शाम दोनों समय शपथ लेने का अनुभव है। हालांकि बीते कई सालों से वह एनडीए की महाराष्ट्र में धुरी बनकर रहे। 2023 में एनसीपी से अजित पवार के अलगाव ने पार्टी को ही तोड़ दिया और चाचा शरद पवार के सामने तो अस्तित्व का संकट आ गया। इस तरह अजित पवार की सियासी जिंदगी चाचा की छांव से लेकर निज पहचान बनाने के संघर्ष की कहानी रही।

जम्मू-कश्मीर के सोनमर्ग में एवलांच

- सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हुई घटना

सोनमर्ग. जम्मू-कश्मीर के सोनमर्ग में लगातार जारी बर्फबारी से मंगलवार रात एवलांच (हिमस्खलन) आया। एवलांच में फिलहाल किसी की मौत या घायल होने की खबर नहीं है। कई होटलों को नुकसान पहुंचा। अधिकारियों ने बताया कि एवलांच मंगलवार रात 10.12 बजे मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले में सोनमर्ग रिजॉर्ट में हुआ। बचाव टीमों को घटनास्थल पर भेज दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि वे स्थिति पर नजर रख रहे हैं। जम्मू-कश्मीर और अन्य पहाड़ी राज्यों में लगातार बर्फबारी जारी है। इसके देखते हुए मौसम विभाग ने एवलांच का अलर्ट जारी किया था।

11 जिलों में एवलांच की चेतावनी

जम्मू और कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (JKUTDMA) ने गंदरबल, अनंतनाग, बांदीपोरा, बारामूला, कुलगाम और कुपवाड़ा सहित कश्मीर के 11 जिलों और जम्मू क्षेत्र के डोडा, किश्तवाड़, पुंछ, राजौरी और रामबन के लिए हिमस्खलन की चेतावनी जारी की थी।

डीप फेक पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी चिंतित

- बताया लोकतंत्र के लिए खतरा

नई दिल्ली. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण के साथ ही बुधवार को संसद का बजट सत्र शुरू हो गया है। इससे पहले राष्ट्रपति मुर्मू ने बुधवार सुबह संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित किया। अपने अभिभाषण के दौरान उन्होंने केंद्र सरकार की उपलब्धियों पर चर्चा करते कुछ चुनौतियों पर भी बात की। द्रोपदी मुर्मू ने कहा है कि डीपफेक और फेक न्यूज जैसे अपराध लोकतंत्र के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं।

राष्ट्रपति ने इस कहा है कि आज AI के दुरुपयोग को देखते हुए इस विषय पर गम्भीर होने की जरूरत है। उन्होंने दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए कहा, "डीपफेक, मिसइंफॉर्मेशन और फेक कंटेंट, लोकतंत्र में सामाजिक सौहार्द और जनता के विश्वास के लिए बड़ा खतरा बनता जा रहा है। इस गंभीर विषय पर संसद को मिलकर विचार करना चाहिए।"

ऑपरेशन सिंदूर से संदेश

अपने अभिभाषण में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ऑपरेशन सिंदूर के लिए सेना के शौर्य और पराक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस अभियान के माध्यम से सरकार ने यह कड़ा संदेश दिया है कि भारत पर किसी भी आतंकी हमले का जवाब दृढ़ और निर्णायक होगा। राष्ट्रपति ने कहा, ''श्री गुरु तेग बहादुर जी ने हमें सिखाया है – 'भय काहू को देत नय, नय भय मानत आन' यानी हम ना किसी को डराएं, और ना किसी से डरकर जिएं। इसी निडर मन से, इसी भावना से देश की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं। भारत ने सिद्ध किया है कि शक्ति का प्रयोग उत्तरदायित्व और विवेक के साथ किया जा सकता है।'' उन्होंने कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर से विश्व ने भारतीय सेना का शौर्य और पराक्रम देखा है। हमारे देश ने अपने संसाधनों के बल पर आतंकियों के अड्डों को ध्वस्त कर दिया। सरकार ने कड़ा संदेश दिया कि भारत पर किसी भी आतंकी हमले का जवाब दृढ़ और निर्णायक होगा।''

बंगाल की खाड़ी में संयुक्त युद्धाभ्यास

- भारत और रूस की जोड़ी दुनिया को दिखाएगी ताकत

नई दिल्ली. भारत और रूस की जोड़ी जल्द ही समंदर से पूरी दुनिया को ताकत दिखाने जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक रूस और भारत आगामी फरवरी में हिंद महासागर में संयुक्त नौसैनिक अभ्यास करेंगे। इस ज्वॉइंट नेवल एक्सरसाइज का आयोजन बंगाल की खाड़ी में किया जाएगा। रूस की TASS सरकारी समाचार एजेंसी ने बुधवार को रूसी मैरीटाइम कॉलेज की प्रेस सेवा के हवाले से यह जानकारी दी है।

TASS की रिपोर्ट में कहा गया है कि रूसी नौसेना के प्रशांत बेड़े का एक फ्रिगेट मिलान-2026 अभ्यास में भाग लेने के लिए ओमान के मस्कट बंदरगाह से रवाना होगा। इसके बाद यह जहाज 18 से 25 फरवरी तक भारतीय बंदरगाह विशाखापत्तनम का अनौपचारिक दौरा करेगा। बता दें कि भारत और रूस हर साल अभ्यास इंद्र के नाम से एक संयुक्त नौसैनिक अभ्यास करते हैं।

इससे पहले मॉस्को में भारत के राजदूत विनय कुमार ने बीते सोमवार को कहा है कि भारत और रूस 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार में 100 अरब अमेरिकी डॉलर का लक्ष्य हासिल करने के लिए आत्मविश्वास से आगे बढ़ रहे हैं और व्यापार के दायरे को बढ़ाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

राजदूत कुमार ने भारत के 77वें गणतंत्र दिवस पर 'पीटीआई' से बातचीत में कहा, "पिछला वर्ष विशेष रूप से सक्रिय रहा। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की यात्रा अत्यंत सफल रही। 2030 तक 100 अरब अमेरिकी डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार लक्ष्य को प्राप्त करना पूरी तरह से संभव है।" उन्होंने कहा, "नए उत्पादों की पहचान सहित कई कदम उठाए जा रहे हैं, और एक मुक्त व्यापार समझौता इस लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायक होगा।" उन्होंने यह भी बताया कि उर्वरक, कृषि और अभियांत्रिकी में नए अवसरों के साथ व्यापार में वृद्धि हुई है।

अविमुक्तेश्वरानंद माघ मेला छोड़कर गए

प्रयागराज. शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने प्रयागराज माघ मेला छोड़ दिया है। वह काशी के लिए रवाना हो गए हैं। इससे पहले, उन्होंने बुधवार सुबह प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- आज मन इतना व्यथित है कि हम बिना स्नान किए ही विदा ले रहे हैं।

इस दुख की भरपाई पता नहीं कौन सा नेता आएगा कौन सी पार्टी आएगी जो करेगी। प्रयागराज हमेशा से आस्था और शांति की धरती रही है। श्रद्धा के साथ यहां आया था, लेकिन एक ऐसी घटना हो गई, जिसकी मैंने कभी उम्मीद नहीं की थी।

माघ मेला 15 फरवरी तक चलेगा। अभी 2 स्नान बचे हैं। माघी पूर्णिमा (1 फरवरी) और महाशिवरात्रि (15 फरवरी)।

किसी पर भरोसा नहीं, SC की निगरानी में हो अजित पवार की मौत की जांच

- ममता ने खड़े किए सवाल

नई दिल्ली. महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) के वरिष्ठ नेता अजित पवार का बुधवार सुबह एक दुखद विमान दुर्घटना में निधन हो गया। यह हादसा पुणे जिले के बारामती में हुआ, जब उनका विमान लैंडिंग के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस घटना ने पूरे देश के राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर दौड़ दी है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस विमान हादसे को लेकर सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की है। उन्होंने घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए संभावित साजिश की आशंका जताई और देश में राजनीतिक नेताओं की सुरक्षा पर सवाल खड़े किए।

मीडिया से बातचीत में ममता बनर्जी ने कहा कि वह इस खबर से स्तब्ध हैं और इसे राष्ट्र के लिए बड़ी क्षति बताया। उन्होंने दावा किया कि राजनीतिक नेतृत्व के लिए भी कोई सुरक्षा व्यवस्था नहीं बची है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर प्रसारित उन बयानों का भी जिक्र किया जिनमें कहा जा रहा था कि अजित पवार भाजपा छोड़ने पर विचार कर रहे थे।

ममता ने संकेत दिया कि अजित पवार महायुति गठबंधन से दूरी बनाने की कोशिश कर रहे थे, इसलिए इस हादसे के पीछे कोई साजिश हो सकती है। उन्होंने कहा- 'आज जो हुआ, वह गंभीर सवाल खड़े करता है। सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच ही विश्वसनीय होगी। हमें सिर्फ सुप्रीम कोर्ट पर भरोसा है, किसी अन्य एजेंसी पर नहीं।'

अभिषेक शर्मा लगातार 6 महीने से टी-20 टॉप बैटर

- कप्तान सूर्या की एक महीने बाद टॉप-10 में वापसी
- हार्दिक ऑलराउंडर्स में तीसरे नंबर पर

टीम इंडिया के ओपनर अभिषेक शर्मा ICC की रैंकिंग में लगातार छह महीने से नंबर वन बैटर बने हुए हैं। बुधवार को जारी रैंकिंग में 929 अंकों के साथ वह नंबर वन पर हैं। अभिषेक पहली बार 30 जुलाई 2025 को नंबर-1 बैटर बने थे।

अभिषेक ने न्यूजीलैंड के खिलाफ जारी टी-20 सीरीज के पहले मैच में 84 और तीसरे 68* रन की पारी खेली थी। वहीं, टीम इंडिया के टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने एक बार फिर टॉप-10 में जगह बना ली है।

इस हफ्ते उन्हें पांच स्थान का फायदा मिला है। वह 717 रेटिंग अंकों के साथ सातवें नंबर पर पहुंच गए हैं। सूर्या दिसंबर पर टॉप-10 से बाहर हुए थे। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में पिछले दो मैचों में सूर्या ने लगातार दो अर्धशतक लगाए थे और दोनों मैच में नाबाद रहे।

भारत के तिलक वर्मा 781 अंकों के साथ तीसरे नंबर पर बने हुए हैं। ऑलराउंडर्स में हार्दिक पंड्या तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं।

बुमराह को चार स्थान का फायदा

टी-20 वर्ल्ड कप की शुरुआत से ठीक 10 दिन पहले यह भारत के लिए सकारात्मक संकेत है। न्यूजीलैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद कई अन्य भारतीय खिलाड़ियों की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है, जिससे टीम इंडिया को बड़ा मनोबल मिला है। स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टी-20 बॉलर्स रैंकिंग में चार स्थान की छलांग लगाई है। तीसरे टी-20 मुकाबले में कीवी टीम के खिलाफ तीन विकेट लेने के बाद बुमराह अब 13वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं, वरुण चक्रवर्ती पहले दो मैचों में कुल तीन विकेट लेकर रैंकिंग में पहले नंबर पर बने हुए हैं।

एग्जाम से पहले बौद्ध बन गया?

- चीफ जस्टिस की बेंच ने NEET के लिए धर्मांतरण पर लगाई क्लास

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को बौद्ध धर्म अपनाने वाले हिंदू अपर कास्ट युवक के अल्पसंख्यक आरक्षण की मांग करने पर कड़ी फटकार लगाई। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने इसे नया तरीके का फ्रॉड करार दिया।

अदालती सुनवाइयों को रिपोर्ट करने वाली वेबसाइट बार एंड बेंच के अनुसार, निखिल कुमार पूनिया ने याचिका दायर कर अल्पसंख्यक उम्मीदवार के आधार पर एडमिशन की मांग की। इस पर सीजेआई सूर्यकांत ने पूछा कि आप कौन से पूनिया हैं? आप किस अल्पसंख्यक समुदाय से हैं?

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, "मैं आपसे सीधे-सीधे पूछता हूं, आप कौन से पूनिया हैं?" इस पर निखिल के वकील ने जवाब दिया कि जाट पूनिया हैं। इस पर सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा कि तब कैसे अल्पसंख्यक हुए?

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि उसने (निखिल) बौद्ध धर्म अपना लिया है और यह उसका अधिकार है। इस पर सीजेआई सूर्यकांत ने फटकार लगाते हुए कहा कि वाओ, यह तो नया तरीके का फ्रॉड है।

इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा सरकार को सख्त आदेश दिया। उसने कहा कि राज्य उसे अल्पसंख्यक सर्टिफिकेट जारी करने के लिए गाइडलाइंस की जानकारी दे और बताए कि क्या ऊंची जाति के जनरल कैटेगरी के उम्मीदवार बौद्ध धर्म अपनाने के बाद अल्पसंख्यक सर्टिफिकेट हासिल कर सकते हैं। कोर्ट ने हरियाणा के चीफ सेक्रेटरी से जवाब मांगा है।

देशभर में UGC के नए नियमों का विरोध

नई दिल्ली. देशभर में जनरल कैटेगरी के स्टूडेंट्स और सवर्ण जाति के लोगों का यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (UGC) के नए नियमों को लेकर विरोध जारी है। बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने नए नियमों के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई की मांग स्वीकार की।

सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने वकीलों की दलीलों पर ध्यान दिया। सीजेआई ने कहा- हमें पता है कि क्या हो रहा है। सुनिश्चित करें कि खामियों को दूर किया जाए। हम इसे लिस्ट करेंगे।

इधर, यूपी-बिहार में आज भी जमकर हंगामा हुआ। स्टूडेंट्स और सवर्ण जातियों के लोग सड़कों पर उतरे।

दहेज हत्या से कम नहीं एसिड अटैक

- CJI ने बताया आरोपी के खिलाफ हो कैसा ऐक्शन

नई दिल्ली. तेजाब हमला मामलों में दोषियों के लिए 'असाधारण' दंडात्मक उपायों का समर्थन करते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केंद्र सरकार से कानून में संशोधन पर विचार करने को कहा। न्यायालय ने सुझाव दिया कि इन मामलों से दहेज हत्या जैसे मामलों की तर्ज पर सख्ती से निपटा जाए, जहां अपनी बेगुनाही साबित करने का दायित्व आरोपी पर होता है।

सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से संबंधित जानकारी देने को कहा। इसमें ऐसे मामलों का वर्ष वार ब्यौरा, अदालतों में उनकी स्थिति के साथ-साथ पीड़ितों की मदद के लिए किए गए पुनर्वास उपायों का विवरण भी शामिल है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस आर महादेवन और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा कि वे तेजाब हमले के उन मामलों की जानकारी दें जिनमें अधीनस्थ अदालतों में आरोपपत्र दाखिल किए गए हैं।

पीठ हरियाणा की शाहीन मलिक की जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जो खुद तेजाब हमले की शिकार हैं। अन्य राहतों के अलावा, वह कानून के तहत दिव्यांग व्यक्तियों की परिभाषा के विस्तार की मांग कर रही हैं, ताकि तेजाब जबरन पिलाए जाने से आंतरिक अंगों को जानलेवा नुकसान झेलने वाले पीड़ितों को पर्याप्त मुआवजा और चिकित्सीय देखभाल सहित अन्य राहत सुनिश्चित की जा सके।

क्या बोला कोर्ट...

पीठ ने तेजाब हमले के मामलों में दोषियों को दी जा रही अपर्याप्त सजाओं का उल्लेख करते हुए कहा, 'आपको असाधारण दंडात्मक कदम उठाने होंगे... जब तक आरोपी के लिए सज़ा पीड़ादायक नहीं होगी, ऐसे अपराध शायद ही रुकें। यहां सुधारात्मक दंड की अवधारणा की कोई जगह नहीं है...।' प्रधान न्यायाधीश ने पूछा, 'आरोपी की संपत्ति क्यों नहीं जब्त की जा सकती?' उन्होंने कहा कि अपराध रोकने के लिए निवारक उपाय आवश्यक हैं और पीड़ितों को मुआवजा देने के लिए आरोपी की संपत्ति जब्त करने जैसे उपाय पर विचार किया जा सकता है।

आम सूचना

हम श्री सचिन शिवशंकर सोनावणे व श्रीमती कविता जीतेंद्र कांबले सभी को सूचित कर रहे हैं कि रुम, ब्लॉक नं. ए-292 के पीछे, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 40सीओ008966100) उक्त प्रॉपर्टी शारदाबाई शिवा सोनावणे के नाम पर है। श्री शिवा शिवशंकर बिवा सोनावणे व श्री संतोष शिवशंकर सोनावणे ने रिलीज एग्रीमेंट दि. 22.12.2025 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री सचिन शिवशंकर सोनावणे व श्रीमती कविता जीतेंद्र कांबले

आम सूचना

मैं श्रीमती राजश्री दत्ता मलाडकर सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम नं. 11, बैरक नं. 1643, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 47सीआय018787900) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती लिलाबाई अल्यास लिला प्रभाकर पाटील के नाम पर है। उन्होंने गिफ्ट एग्रीमेंट दि. 19.1.2026 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती राजश्री दत्ता मलाडकर

आम सूचना

मैं श्री विनोदकुमार मणिलाल भारती सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, पोर्शन ऑफ यू नं. 4, शीट नं. 37, बैरक नं. 1654 के पास, योगेश नगर, सेक्शन 26, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 48सीओ020597500) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती उषा चंदरलाल शर्मा के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 27.1.2026 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री विनोदकुमार मणिलाल भारती

अजित पवार का प्लेन क्रैश में निधन

संक्षेप...

कलवा के विदीप जाधव साथ रहे, साथ गए

ठाणे. बारामती में हुए विमान दुर्घटना में राज्य के उप मुख्यमंत्री अजित पवार के साथ जिन पांच लोगों का निधन हुआ है. उसमें उनके भरोसेमंद बॉडीगार्ड विदीप दिलीप जाधव का नाम शामिल है. ठाणे शहर के कलवा में रहने वाले जाधव साया के साथ अजित पवार के साथ रहते थे और अंतिम समय में उनके साथ थे. जाधव के निधन की खबर मिलते ही इलाके में शोक की लहर फैल गई.

सुरक्षा कर्मी विदीप दिलीप जाधव कलवा के विटावा इलाके में अपने पूरे परिवार के साथ रहते थे. उनकी गिनती पवार के विश्वासु सुरक्षा कर्मियों में होती थी. अजित पवार जाधव को अपने साथ रखना पसंद करते थे. बुधवार को सुबह पवार के साथ जाधव भी विमान में सवार होकर बारामती के लिए निकले थे. लेकिन भगवान को कुछ और ही मंजूर था. विमान दुर्घटना की खबर मिलते ही उनके शुभचिंतक उनके घर पर पहुंचने लगे. पूरे इलाके में शोक की लहर है.

अश्लील हरकत, 6 महिलाएं अरेस्ट

पनवेल. पनवेल शहर में छत्रपति शिवाजी महाराज चौक से डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की मूर्ति तक सड़क और फुटपाथ पर जानबूझकर अपने शरीर को दिखाने और अश्लील हरकत करने वाली 6 महिलाओं को पनवेल शहर पुलिस ने गिरफ्तार किया. पुलिस ने इन महिलाओं के खिलाफ महाराष्ट्र पुलिस एक्ट की धारा 112, 117 के तहत मामला दर्ज किया है. पुलिस का कहना है कि उक्त महिलाओं के बारे में इलाके के लोगों और खासकर महिलाओं ने पनवेल शहर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक नितिन ठाकरे से कई शिकायतें की थीं, इन शिकायतों पर ध्यान देते हुए उन्होंने एक स्पेशल टीम बनाई.

- विमान में सवार सभी 5 लोग मारे गए
- बारामती में लैंडिंग के दौरान हादसा

मुंबई, महाराष्ट्र के डिप्टी CM अजित पवार का निधन हो गया है। वे 66 साल के थे। बुधवार सुबह 8.45 बारामती में उनका प्लेन क्रैश हो गया। शुरुआती जानकारी के मुताबिक बारामती एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान यह हादसा हुआ। प्लेन में अजित पवार के साथ मौजूद उनके पर्सनल असिस्टेंट, सुरक्षाकर्मी और प्लेन स्टाफ समेत 5 लोगों की जान गई है।

अब तक मिली जानकारी के अनुसार पवार मुंबई से चार्टर्ड प्लेन में बारामती गए थे। वहां लैंडिंग के दौरान प्लेन रनवे से फिसल गया। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय DGCA ने हादसे में 5 लोगों के मारे जाने की पुष्टि की है। थोड़ी देर पहले 6 लोगों के मारे जाने की खबर आई थी।

अजित पवार महाराष्ट्र पंचायत चुनाव के लिए बारामती में जनसभा को संबोधित करने जा रहे थे। शरद पवार मुंबई और सुप्रिया सुले दिल्ली में थे। हादसे की जानकारी मिलते ही वे पूरे परिवार के साथ बारामती के लिए रवाना हो गए। परिवार के बाकी लोग उनके मुंबई आवास के लिए रवाना हो गए हैं।

राज्य के डिप्टी चीफ मिनिस्टर अजीत पवार की प्लेन क्रैश में मौत हो गई है। यह हादसा तब हुआ जब प्लेन बारामती में लैंड कर रहा था। हादसा इतना भयानक था कि प्लेन जलकर राख हो गया।

हादसे में मारे गए लोगों के नाम

अजित पवार- उपमुख्यमंत्री
एचसी **विदिप जाधव**, अजित के निजी सुरक्षा अधिकारी
कैप्टन सुमित कपूर- पायलट
कैप्टन शांभवी पाठक- पायलट
पिंकी माली- फ्लाइट अटेंडेंट

डिप्टी चीफ मिनिस्टर अजीत पवार आज बारामती में चार मीटिंग करने वाले थे। ये मीटिंग जिला परिषद और पंचायत समिति चुनाव कैंपेन के लिए रखी गई थीं। सुपे जिला परिषद ग्रुप के लिए भी एक मीटिंग होनी थी। इसके लिए अजीत पवार मुंबई से प्लेन से बारामती आए थे। हालांकि, जानकारी सामने आ रही है कि हादसा तब हुआ जब प्लेन लैंड कर रहा था। इस दौरान, अजीत पवार के साथ मुंबई के PSO HC विदीप जाधव, पायलट कैप्टन सुमित कपूर, कैप्टन संभी पाठक, पिंकी माली और फ्लाइट अटेंडेंट सवार थे। हादसे में इन सभी की मौत हो गई। प्लेन ने सुबह 8:10 बजे मुंबई से उड़ान भरी थी। यह सुबह 8:50 बजे बारामती पहुंचा। लैंडिंग के दौरान प्लेन क्रैश हो गया और अंदर बैठे पैसेंजर की मौत हो गई।

अंतिम दर्शन के लिए अस्पताल के बाहर भीड़

मुंबई. राज्य के डिप्टी चीफ मिनिस्टर अजित पवार की प्लेन क्रैश में मौत हो गई है। हादसा तब हुआ जब प्लेन बारामती में लैंड कर रहा था। हादसा इतना भयानक था कि प्लेन जलकर राख हो गया। डिप्टी चीफ मिनिस्टर अजित पवार आज बारामती में चार मीटिंग करने वाले थे। ये मीटिंग जिला परिषद और पंचायत समिति चुनाव प्रचार के लिए रखी गई थीं। सुपे जिला परिषद ग्रुप के लिए भी एक मीटिंग होनी थी। इसके लिए अजित पवार मुंबई से प्लेन से बारामती आए थे। हालांकि, जानकारी सामने आ रही है कि हादसा प्लेन के लैंड करते समय हुआ।

पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार कल

डिप्टी चीफ मिनिस्टर अजित पवार को बारामती में चार मीटिंग करनी थीं। ये मीटिंग जिला परिषद और पंचायत समिति चुनाव प्रचार के लिए रखी गई थीं। सुपे जिला परिषद ग्रुप के लिए भी एक मीटिंग होनी थी। इसके लिए अजित पवार मुंबई से प्लेन से बारामती आए थे। हालांकि, जानकारी सामने आ रही है कि प्लेन के लैंड करते समय यह हादसा हुआ। इस बीच, शरद पवार समेत पूरा परिवार बारामती पहुंच गया है और अजित पवार के पार्थिव शरीर का

AAIB की टीम बारामती रवाना, हादसे की जांच करेगी

एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो की टीम दिल्ली से बारामती के लिए रवाना हो गई है ताकि दुर्घटना वाली जगह का मुआयना किया जा सके और जांच शुरू की जा सके। ब्यूरो की एक टीम दिल्ली में VSR वेंचर्स के ऑफिस में भी पहुंची है। वहां प्लेन के बारे में जानकारी ली जाएगी।कंपनी के मालिक भी दफ्तर में मौजूद हैं।

महाराष्ट्र में 3 दिन के राजकीय शोक का ऐलान

मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि बुधवार को राज्य में स्कूल-कॉलेज समेत सभी संस्थानों में छुट्टी घोषित की है। साथ ही 3 दिन के राजकीय शोक की भी घोषणा की गई है। पवार के अंतिम संस्कार का फैसला उनके परिवार से सलाह लेने के बाद किया जाएगा।

फडणवीस ने कहा- मैंने सुप्रिया ताई (सुप्रिया सुले) और पार्थ पवार से बात की है। एक बार जब हम बारामती पहुंच जाएंगे, तो हम परिवार के सदस्यों से बात करेंगे, और फिर हम उनके अंतिम संस्कार के बारे में कुछ फैसला करेंगे।

सामान्य प्रशासन विभाग के प्रोटोकॉल अनुभाग ने कहा कि पवार का निधन 28 जनवरी की सुबह हुआ है, 30 जनवरी तक राज्य शोक मनाया जाएगा। इस दौरान सभी इमारतों पर राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा। 3 दिन तक कोई आधिकारिक मनोरंजन कार्यक्रम का आयोजन नहीं होगा। विभाग ने आगे घोषणा की कि उपमुख्यमंत्री के निधन के कारण बुधवार को पूरे महाराष्ट्र में सभी राज्य सरकारी कार्यालय भी बंद रहेंगे।

अजित पवार का निधन अपूरणीय क्षति -राष्ट्रपति

महाराष्ट्र के बारामती में एक विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार समेत कई लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। अजित पवार का असामयिक निधन एक अपूरणीय क्षति है। उन्हें महाराष्ट्र के विकास में विशेषकर सहकारी क्षेत्र में, विशेष योगदान के लिए सदैव याद रखा जाएगा। मैं उनके परिवार, समर्थकों एवं प्रशंसकों के प्रति गहन शोक-संवेदना व्यक्त करती हूं। ईश्वर इस दुर्घटना में मारे गए अन्य सभी लोगों के परिवारों को भी इस आघात को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

मोदी बोले- अजित जनता के नेता थे

अजित पवार के निधन की खबर मिलते ही पीएम ने CM देवेंद्र फडणवीस से हादसे की जानकारी ली। उन्होंने X पर अजित के साथ अपनी 2 तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा- अजित पवार जनता के नेता थे, जिनका जमीनी स्तर पर मजबूत जुड़ाव था। महाराष्ट्र के लोगों की सेवा करने में सबसे आगे रहने वाले एक मेहनती व्यक्तित्व के तौर पर उनका बहुत सम्मान किया जाता था। प्रशासनिक मामलों की उनकी समझ और गरीबों और वंचितों को सशक्त बनाने का उनका जुनून भी काबिले तारीफ था।

उनका असमय निधन बहुत चौंकाने वाला और दुखद है। उनके परिवार और अनगिनत प्रशंसकों के प्रति संवेदनाएं। ओम शांति।₹

महाराष्ट्र ने एक लोकनेता गंवाया -DCM शिंदे

एकनाथ शिंदे ने कहा, यह बहुत ही दुखद घटना है. महाराष्ट्र ने एक लोकनेता गंवाया है. मैंने एक सच्चा मित्र गंवाया है. वो कई दशकों से महाराष्ट्र की राजनीति में सक्रिय रहे हैं. हर विभाग, खासकर अर्थव्यवस्था की, उन्हें बड़ी अच्छी जानकारी थी. हमने वैसा नेता खो दिया है और यह महाराष्ट्र के लिए बहुत बड़ा नुकसान है. हमें भरोसा नहीं हो रहा है.

SST महाविद्यालय में 'नव-प्रवर्तन 2026' अनुसंधान सम्मेलन का आयोजन

उल्हासनगर. एस.एस.टी. महाविद्यालय के बहुउद्देशीय सभागार में राष्ट्रीय स्तर का नव-प्रवर्तन अनुसंधान सम्मेलन 2026 सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस सम्मेलन के माध्यम से स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को पोस्टर प्रस्तुति के माध्यम से अपने शोध एवं नवोन्मेषी विचार प्रस्तुत करने का सशक्त मंच प्राप्त हुआ।

इस सम्मेलन को विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया मिली। कुल 47 शोध परियोजनाएँ प्रस्तुत की गईं, जिनमें विभिन्न महाविद्यालयों के 174 विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभाग दर्ज कराया।

पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार घोषित किए गए— **प्रथम पुरस्कार:** अभूषणबाजार – ज्वेलरी शॉप वेब एप्लिकेशन

द्वितीय पुरस्कार: ब्लॉकचेन के माध्यम से कानून प्रवर्तन में डिजिटल साक्ष्य

उत्तेजनार्थ पुरस्कार: प्रारंभिक किशोरावस्था के बच्चों में औषधियों के दुरुपयोग की बढ़ती प्रवृत्तिः कारण और परिणाम

इसका मूल्यांकन ठाणे स्थित ज्ञानगंगा महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. भाविका कारकेरा तथा हिंदुजा महाविद्यालय की प्रा. रश्मी मोरया ने किया। नव-प्रवर्तन अनुसंधान सम्मेलन 2026 के माध्यम से युवा शोधकर्ताओं को आलोचनात्मक सोच, जिम्मेदार नवोन्मेष तथा आत्मविश्वासपूर्ण प्रस्तुति के लिए प्रेरणा मिली। इस पहल के माध्यम से एस.एस.टी. महाविद्यालय ने विद्यार्थियों में शोध संस्कृति को सुदृढ़ करने और शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के अपने दृढ़ संकल्प को पुनः रेखांकित किया।

इस सम्मेलन का सफल आयोजन एस.एस.टी. महाविद्यालय के संस्थापक प्राचार्य डॉ. पुरस्वानी तथा आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. खुशबू पुरस्वानी के मार्गदर्शन में, महाविद्यालय की अनुसंधान समिति की समन्वयक डॉ. वर्षा सावलानी द्वारा प्रा. डॉ. तुषार वाकसे, डॉ. सुनील शहा, सहकारी प्राध्यापकों एवं स्वयंसेवकों के सहयोग से किया गया।

खेतवाड़ी इलाके में महिला की गोद से गिरी 9 महीने की बच्ची को रौंद गई स्कूल बस

मुंबई. मुंबई से एक दिल दहलादेने वाली घटना सामने आई है. दक्षिण मुंबई के खेतवाड़ी इलाके में एक ऐसा हादसा हुआ, जिसे सुनकर ही किसी की भी रूह कांप जाए. यहां एक 9 महीने की नवजात को एक स्कूल बस ने कुचल दिया. इस हादसे में बच्ची की दर्दनाक मौत हो गई. जबकि उसकी दादी गंभीर रूप से घायल हुई है. हादसे के वक्त बच्ची अपनी दादी की गोद में थी.

इस हादसे में महिला की दूसरी पोती बाल-बाल बच गई. दरअसल महिला दूसरी पोती को गोद में लिए बड़ी पोती को स्कूल बस के ड्रॉप-ऑफ पॉइंट से लेने गई थी.इसी दौरान ये भयावह हादसा हो गया. वहां लगे सीसीटीवी फुटेज में ये पूरी घटना कैद हो गई. कोलाबा के जेबी सोमन स्कूल में पढ़ने वाली महिला की पोती सीसीटीवी फुटेज में दोपहर 12:23 बजे बस से उतरती हुई दिखाई दे रही है.

पोती को गोद में लिए रोड पार कर रही थी महिला

दादी की गोद में एक बच्ची पहले से थी. वहीं दूसरी बच्ची का हाथ पकड़े हुए उसे बस के सामने सड़क पार करा रही थी. टक्कर से बचने के लिए महिला ने खुद को संभालने की कोशिश की. इसी दौरान दोनों पोतियों के साथ वह जमीन पर गिर गई. इतमें में बस का दाहिना पहिया महिला और बच्ची के ऊपर से गुजर गया. बड़ी बच्ची कुछ सेंटीमीटर से बस की चपेट में आने से बच गई.

अरिजीत सिंह ने छोड़ी प्लेबैक सिंगिंग

- अब इंटरनेशनल प्रोजेक्ट्स पर करेंगे काम
- कई बार विवादों में रहे

पॉपुलर सिंगर अरिजीत सिंह ने प्लेबैक सिंगिंग से संन्यास ले लिया है। उन्होंने मंगलवार को सोशल मीडिया के जरिए इसकी आधिकारिक घोषणा की है।

सिंगर ने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकांउट पर लिखा, नमस्ते, आप सभी को नए साल की हार्दिक शुभकामनाएं। इतने सालों से श्रोताओं के रूप में मुझे जो इतना प्यार दिया है, उसके लिए आप सबका धन्यवाद। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि अब से मैं एक प्लेबैक सिंगर के तौर पर कोई भी नया काम नहीं लूंगा। मैं इसे यहीं खत्म कर रहा हूं। यह एक शानदार सफर रहा।

प्लेबैक सिंगिंग में गानों की रिकॉर्डिंग स्टूडियो में होती है। बाद में इसे फिल्मों में एक्टर-एक्ट्रेस पर फिल्माया जाता है। यानी आवाज सिंगर की होती है, एक्टर-एक्ट्रेस इस पर लिप्सिंग करते हैं।

अरिजीत के करीबी बोले- बहुत सोचकर लिया फैसला

अरिजीत सिंह के करीबी और सयोनी गाने के कंपोजर अंजन भट्टाचार्य ने दैनिक भास्कर से बातचीत में कहा कि अरिजीत ने यह फैसला जल्दबाजी में नहीं लिया गया है। उन्होंने लंबे समय तक विचार किया और अब उन्हें लगता है कि यही सही समय है। वे अपने फैंस के प्यार और सपोर्ट के लिए हमेशा आभारी रहेंगे और भविष्य में नए अंदाज में उनसे जुड़ते रहेंगे। कंपोजर ने अरिजीत सिंह के फ्यूचर प्रोजेक्ट्स पर भी बात की है।

लियो किड्स में खेल दिवस का आयोजन

भिवंडी. लियो किड्स में खेल दिवस बड़े हर्ष और उत्साह के साथ मनाया गया. इस दिन विद्यालय का वातावरण बच्चों की खुशी, उत्साह और उमंग से भर गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई। इसके बाद बच्चों ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। मधुर संगीत और भावपूर्ण प्रस्तुति ने वातावरण को भक्तिमय और शुभ बना दिया।

इस कार्यक्रम में राजाराम सर, अशोक सर एवं सोन्या पाटिल सर ने मुख्य अतिथि के रूप में अपनी गरिमामयी उपस्थिति से समारोह की शोभा बढ़ाई। विद्यालय के प्रमोटर विकास जैन सर तथा प्राचार्या गायत्री खेमानी के मार्गदर्शन में खेल दिवस का आयोजन अत्यंत सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के लिए कार्यक्रम के दौरान तुलसी का पौधा रोपित किया गया। शांति के प्रतीक कबूतर उड़ाकर खेल महोत्सव के उद्घाटन की घोषणा की गई। इसके बाद बच्चों ने रंग-बिरंगे झंडों के साथ मार्च पास्ट किया, जिसे देखकर सभी बहुत प्रसन्न हुए। । बच्चों ने डंबल ड्रिल, लेझिम ड्रिल और रिबन ड्रिल प्रस्तुत की। जिसे देखकर सभी अतिथि और अभिभावक बहुत प्रसन्न हुए। समारोह का मुख्य आकर्षण मल्लखंभ रहा। बच्चों ने मल्लखंभ पर अद्भुत संतुलन, शक्ति और साहस का प्रदर्शन किया। उनके शानदार प्रदर्शन ने सभी अतिथियों और अभिभावकों का मन मोह लिया.

कार्यक्रम के अंत में हमारे अतिथियों द्वारा बच्चों को पुरस्कार वितरित किए गए। अतिथियों ने बच्चों के प्रदर्शन की सराहना की और शिक्षकों के प्रयासों की प्रशंसा की। खेल दिवस का समापन धन्यवाद ज्ञापन और सामूहिक फोटो के साथ हुआ। लियो किड्स का खेल दिवस समारोह सभी बच्चों के लिए यादगार रहा और उन्हें अनुशासन, टीम भावना और खेल भावना का संदेश दे गया।

पानी की टंकी को लेकर दो गुटों में मारपीट

भिवंडी. ईदगाह झोपड़पट्टी क्षेत्र में पानी टंकी को लेकर हुए विवाद को लेकर मारपीट की घटना सामने आई है. भोईवाडा पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर 6 लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

पुलिस के अनुसार, पहले मामले में शिकायतकर्ता हैदर मोहम्मद फारूक खान (40) ने आरोप लगाया है कि, घर के सामने पानी भरने को लेकर विवाद हुआ. आरोप है कि इसी दौरान अलसफा अजगर अली अंसारी (30), अजगर अख्तर अली अंसारी (40) और असरफ अख्तर अली अंसारी (34) ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट की.शिकायतकर्ता का कहना है कि आरोपियों ने उसे और उसके परिवार के सदस्यों को जान से मारने की धमकी भी दी. शिकायत के आधार पर भोईवाड़ा पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है.वहीं, इसी घटना को लेकर दूसरे पक्ष ने भी पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है. शिकायतकर्ता अलसफा अजगर अली अंसारी (36) ने आरोप लगाया है कि अली फारूक खान (35), अजगर फारूक खान (32) और हैदर फारूक खान (42) ने उसके घर के सामने विवाद कर गाली-गलौज की और मारपीट की. आरोप है कि घटना के दौरान धमकी दी गई, जिससे परिवार में दहशत का माहौल बन गया. दोनों पक्षों में गली में रखी पानी की टंकी हटाने के लिए विवाद हुआ था.

आम सूचना

हम श्री सुरेंद्र गोपाल गुप्ता व श्रीमती अंजना सुरेंद्र गुप्ता सभी को सूचित कर रहे हैं कि रुम, संतोष नगर, शिवसेना शाखा के पास, ओटी सेक्शन, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 44सीआय019592500) उक्त प्रॉपर्टी उर्मिला गोपाल गुप्ता व गोपाल फुलचंद गुप्ता के नाम पर है। श्री सुरेंद्र गोपाल गुप्ता ने 50 प्रतिशत शेयर श्री गोपाल फुलचंद गुप्ता, श्री जोगेंद्र गोपाल गुप्ता व जितेंद्र गोपाल गुप्ता से रिलीज एग्रीमेंट 26.1.2026 द्वारा लिया और श्रीमती अंजना सुरेंद्र गुप्ता ने 50 प्रतिशत शेयर श्री गोपाल फुलचंद गुप्ता से गिफ्ट एग्रीमेंट दि. 26.1.2026 द्वारा लिया है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री सुरेंद्र गोपाल गुप्ता व

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099